राष्ट्रीय दैनिक

बुद्ध का संदेश

हिन्दी समाचार पत्र

लखनऊ,कानपुर,कन्नौज,बरेली,सीतापुर,सोनभद्र,गोण्डा,बाराबंकी,बलरामपुर,श्रावस्ती,बहराइच,अम्बेडकरनगर,फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर,गोरखपुर,कुशीनगर,देवरिया,महाराजगंज,सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

पर्ल वी पुरी के हाथ लगा...8

दैनिक बुद्ध का संदेश | 9795951917,9415163471 | @budhakasandesh | budhakasandeshnews@gmail.com | www.budhakasandesh.com

गुरुवार, 20 अक्टूबर 2022 सिद्धार्थनगर संस्करण | www.budhakasandesh.com | वर्षः 09 अंकः 300 | पृष्ठ 8 | आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ सुचीबद्ध कोड– SDR-DLY-6849, डी.ए.वी.पी.कोड–133569 | सम्पादक : राजेश शर्मा | उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

मल्लिकार्जुन खड़गे के हाथ में होगी कांग्रेस की कमान, अध्यक्ष चुनाव में शशि थरूर को हराया

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष पद के हुए चुनाव के नतीजे आ गए हैं। मल्लिकार्जुन खड़गे कांग्रेस के नए अध्यक्ष होंगे। 17 अक्टूबर को कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए हुए चुनाव की मतगणना आज हुई है। मतगणना में मल्लिकार्जुन खड़गे को 7897 वोट मिले हैं जबकि उनके खिलाफ चुनाव लड़ रहे शशि थरूर के खाते में सिर्फ 1072 वोट गए। 416 वोट अमान्य हो गए। आपको बता दें कि 17 अक्टूबर को ही वोटिंग में फुल 9385 डेलिगेट्स ने अपने वोट डाले थे। 24 साल बाद ऐसा मौका आया है जब कांग्रेस को गांधी परिवार से बाहर का अध्यक्ष मिला है। इससे पहले सीताराम केसरी गांधी परिवार से बाहर के अध्यक्ष रह चुके हैं। पहले से ही मल्लिकार्जुन खड़गे को अध्यक्ष बनना तय माना जा रहा था क्योंकि उनके पक्ष में लगातार कई कांग्रेस प्रदेश कमेटी ने समर्थन किया था।

कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी ने कहा कि कांग्रेस के अध्यक्ष चुनाव में मल्लिकार्जुन खड़गे ने 7897 वोटों से जीत हासिल की, शशि थरूर को करीब 1000 वोट मिले। खड़गे 8 गुना ज्यादा वोटों से जीते हैं। वहीं, भारत जोड़ो यात्रा के दौरान कांग्रेस में अपनी भूमिका को लेकर पूछे गए सवाल पर राहुल गांधी ने कहा कि मैं कांग्रेस अध्यक्ष की भूमिका पर टिप्पणी नहीं कर सकता। इस पर यह खड़गे जी टिप्पणी कर सकते हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि अध्यक्ष तय करेंगे कि मेरी भूमिका क्या है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि कांग्रेस में अध्यक्ष सर्वोच्च होता है, जो भी निर्वाचित होगा वह भविष्य की कार्रवाई तय करेगा। पार्टी मुख्यालय में मतगणना बुधवार सुबह निधारित समय 10 बजे के कुछ देर बाद 10.20 बजे आरंभ हुई। देश के विभिन्न राज्यों में बने कांग्रेस के सभी 68 मतदान केंद्रों से मतपेटियां मंगलवार शाम तक कांग्रेस मुख्यालय लाई जा चुकी थीं। कार्ति चिदम्बरम, अतुल चतुर्वेदी और समेधा गायकवाल थरूर के मतगणना एजेंट थे। खड़गे को जहां गांधी परिवार के साथ उनकी कथित निकटता और बड़ी संख्या में वरिष्ठ नेताओं का समर्थन करने के लिए पसंदीदा माना जाता है, वहीं थरूर ने खुद को बदलाव के उम्मीदवार के रूप में खड़ा किया है। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी, पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह, कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और कई अन्य वरिष्ठ नेताओं समेत करीब 9500 डेलीगेट (निर्वाचक मंडल के सदस्यों) ने पार्टी के नए अध्यक्ष के चुनाव के लिए सोमवार को मतदान किया था। कांग्रेस पार्टी के 137 साल के इतिहास में छठी बार अध्यक्ष पद के लिए चुनाव हुआ है। अध्यक्ष पद के लिए अब तक 1939, 1950, 1977, 1997 और 2000 में चुनाव हुए हैं। इस बार पूरे 22 वर्षों के बाद अध्यक्ष पद के लिए चुनाव हुआ।

भाजपा सांसद ने किया ऐलान, मुलायम सिंह की याद में सभागार बनाने की योजना बना रही है सरकार

बलिया । भारतीय जनता पार्टी सांसद वीरेंद्र सिंह मस्त ने समाजवादी पार्टी के संरक्षक रहे पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव की स्मृति में सांसद विकास निधि से संवाद केंद्र बनाने की घोषणा की है। इसके लिए उन्होंने अपनी स्थानीय क्षेत्र विकास निधि से 25 लाख रूपये की राशि दिए जाने की भी सिफारिश की। प्रस्तावित संवाद केंद्र(ऑडिटोरियम) का निर्माण बलिया में डिस्ट्रिक्ट सिविल कोर्ट परिसर में किया जाएगा।

भाजपा से बलिया के सांसद मस्त मंगलवार को जिला मुख्यालय पर सिविल बार एसोसिएशन के शपथ ग्रहण समारोह में सम्मिलित हुए जहां उन्होंने यह बात कही। उन्होंने कार्यक्रम के उपरांत जिलाधिकारी सौम्या अग्रवाल को पत्र लिखकर सपा के संरक्षक रहे पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव की स्मृति में संवाद केंद्र बनाने के लिए सांसद विकास निधि से पच्चीस लाख रुपए देने की सिफारिश की। उन्होंने कहा कि मुलायम सिंह यादव विलक्षण व्यक्तित्व के धनी थे। एक विनम्र व जमीन से जुड़े नेता के रूप में उन्हें व्यापक रूप से सराहा गया। वह आम लोगों की समस्याओं के प्रति संवेदनशील थे।

उन्होंने लगन से आम लोगों की सेवा की व लोकनायक जयप्रकाश नारायण व डा. राम मनोहर लोहिया के आदर्शों को लोकप्रिय बनाने के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। भाजपा सांसद ने यादव के आपातकाल के दौरान किए गए कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि यादव ने रक्षा मंत्री के रूप में एक मजबूत भारत के लिए कार्य किया। उन्होंने बताया कि मुलायम सिंह यादव की स्मृति में जिला सिविल कचहरी बलिया में सभागार भवन का निर्माण होगा। गौरतलब है कि मुलायम सिंह यादव का पिछले दिनों निधन हो गया था।

जम्मू–कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में आईईडी बरामद, निष्क्रिय किया गया

जम्मू। जम्मू–कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में सुरक्षा बलों ने बुधवार को एक परिष्कृत विस्फोटक उपकरण (आईईडी) बरामद किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सेना और पुलिस के एक संयुक्त दल ने जिले के हंदवाड़ा इलाके के उदिपुरा में सड़क किनारे आतंकवादियों द्वारा लगाया गया एक आईईडी बरामद किया। अधिकारियों ने बताया कि बम निरोधक दस्ते ने आईईडी को निष्क्रिय कर दिया है और इससे किसी को कोई नुकसान नहीं पहुंचा।

इमरान मसूद के सिर पर मायावती ने रखा हाथ, सपा से बसपा में शामिल, पश्चिमी यूपी BSP कोर्डिनेटर भी बनाया

लखनऊ। बसपा प्रमुख मायावती ने बुधवार को समाजवादी पार्टी छोड़कर आये इमरान मसूद के सिर पर हाथ रखा और उन्हें बसपा की सदस्यता ग्रहण करा दी। इमंरान को बड़ी जिम्मेदारी देते हुए पश्चिमी यूपी में बसपा का संयोजक भी बना दिया गया है। कभी पीएम मोदी को बोटी–बोटी काटने की धमकी देने वाले इमरान मसूद इसी साल कांग्रेस छोड़कर समाजवादी पार्टी में आए थे। उन्हें टिकट नहीं मिला तो सपा से नाराज चल रहे थे। बसपा ज्वाइन करने के बाद इमरान ने कहा कि वह बहन जी के मूवमेंट को मजबूती देने आए हैं। कहा कि जब जब बसपा का मूवमेंट कमजोर हुआ है भाजपा मजबूत हुई है। इसके उलट जब जब सपा मजबूत हुई है भाजपा और मजबूत हो गई है। मसूद के बसपा में शामिल होने की जानकारी मायावती ने ट्वीट करके भी दिया। मायावती ने लिखा कि उत्तर प्रदेश व खासकर पश्चिमी यूपी की राजनीति में इमरान मसूद एक जाना–पहचाना नाम हैं। जिन्होंने आज अपने करीबी सहयोगियों के

साथ मुझसे मुलाकात की और वे समाजवादी पार्टी छोड़कर, अच्छी नीयत व पूरी दमदारी से काम करने के वादे के साथ, बीएसपी में शामिल हो गए। तहेदिल से स्वागत। बसपा में शामिल होते ही बड़ी जिम्मेदारी : मायावती ने मसूद को पश्चिमी उप्र का बसपा का संयोजक भी नियुक्त किया है। उन्होंने एक अन्य ट्वीट में कहा कि साथ ही पार्टी में काम करने के इनके जबर्दस्त जोश व उत्साह को देखकर आज ही उन्हें पश्चिमी यूपी बीएसपी का संयोजक बनाकर वहां पार्टी को हर स्तर पर मजबूत बनाने व खघसकर अकलीयत समाज को पार्टी से जोड़ने की भी विशेष जिघ्म्मेदारी सौंपी गई। मायावती ने कहा कि आजमगढ़ लोकसभा उपचुनाव के बाद व अब स्थानीय निकाय चुनाव से पहले मसूद व अन्य लोगों का बीएसपी में शामिल होना यूपी की राजनीति के लिए इस मायने में शुभ संकेत है कि मुस्लिम समाज को भी यकीन है कि भाजपा की द्वेषपूर्ण व क्रूर राजनीति से मुक्ति के लिए सपा नहीं बल्कि बीएसपी ही जरूरी है। बसपा अध्यक्ष ने ट्वीट कर कहा कि बीएसपी ने पार्टी संगठन और अपनी सभी सरकारों में भी गरीबों, महिलाओं व अन्य उपेक्षितों आदि के हित एवं कल्याण को सर्वोपरि रखते हुए अपने कार्यों से यह साबित किया है कि सर्वसमाज का हित, रोजी–रोजगार, सुरक्षा व धार्मिक स्वतंत्रता आदि बीएसपी में ही संभव, जिसपर विश्वास समय की मांग है।

प्रधानमंत्री मोदी ने भारत–पाकिस्तान सीमा के पास नए सैन्य हवाई अड्डे का आधारशीला रखा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तरी गुजरात के दीसा में भारत–पाकिस्तान सीमा के पास नए सैन्य हवाई अड्डे की आधारशीला रखते हुए बुधवार को कहा कि यह देश की सुरक्षा का एक प्रभावी केंद्र बनकर उभरेगा। गुजरात की राजधानी गांधीनगर में 'डिफेंस एक्सपो' के उद्घाटन समारोह में मोदी ने कहा कि रक्षा बल 101 वस्तुओं की एक सूची जारी करेंगे जिनके आयात पर प्रतिबंध लगाया जाएगा। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही रक्षा क्षेत्र के 411 साजो–सामान व उपकरण ऐसे होंगे जिन्हें भारत में ही बनाया जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, '' इससे भारतीय रक्षा उद्योग को बढ़ावा मिलेगा।'' उन्होंने कि यह एक अद्भुत 'डिफेंस एक्सपो' है क्योंकि पहली बार इसमें केवल भारतीय कंपनियां हिस्सा ले रही हैं। उन्होंने कहा कि उत्तरी गुजरात के बनासकांठा के दीसा में बनने वाला नया सैन्य हवाई अड्डा देश की सुरक्षा के लिए एक प्रभावी केंद्र के रूप में उभरेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारतीय रक्षा उत्पादों का निर्यात पिछले कुछ वर्षों में आठ गुना बढ़ा है।

कर्नाटक कांग्रेस ने भाजपा के चुनावी वादों को लेकर 'सेसीएम डॉट कॉम' अभियान शुरू किया

बंगलुरू। कर्नाटक में कांग्रेस ने 2018 के विधानसभा चुनाव के घोषणापत्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर वादे पूरे नहीं करने का आरोप लगाते हुए बुधवार को 'सेसीएम क्यूआर कोड' के साथ 'सेसीएम डॉट कॉम' अभियान जारी किया और मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई पर निशाना साधा। कर्नाटक में कुछ महीने में विधानसभा चुनाव होने हैं और कांग्रेस राज्य की सत्ता फिर से हासिल करने की मशक्कत कर रही है। विपक्षी दल ने आरोप लगाया कि भाजपा के 600 वादों में से 90 प्रतिशत अधूरे हैं। कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) ने एक विज्ञप्ति में कहा कि उसने इसके तहत एक वेबसाइट जारी की है जिसमें इस अभियान का गीत भी है। कन्नड में लिखे गीत का शीर्षक है ''क्या आपके पास जवाब है''? वेबसाइट में उन सभी प्रश्नों को सूचीबद्ध किया गया है जो कांग्रेस ने अब तक भाजपा से पूछे हैं। विपक्षी पार्टी ने कहा, ''अभी तक 50 में से एक भी प्रश्न का उत्तर नहीं देने वाली भाजपा ने अपनी चुप्पी के जरिये अपनी गलती को स्वीकार लिया है।''

कन्नौज के मजदूरों के परिजनों को पांच–पांच लाख रुपये की सहायता राशि देने का निर्देश

लखनऊ। जम्मू–कश्मीर के शोपियां जिले में आतंकवादियों द्वारा किए गए ग्रेनेड हमले में मारे गये कन्नौज के दो मजदूरों के परिजनों को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पांच–पांच लाख रुपये की सहायता राशि देने के निर्देश दिए हैं। पुलिस ने बताया कि शोपियां जिला में हमले को लेकर प्रतिबंधित लश्कर–ए–तैयबा के एक स्थानीय ''हाइब्रिड आतंकवादी'' और एक अन्य संदिग्ध को गिरफ्तार किया गया है। ''हाइब्रिड आतंकवादी'' वे लोग होते हैं, जो इस तरह के आत्मघाती हमले करने के बाद अक्सर सामान्य जीवन में वापस लौट जाते हैं। एक सरकारी प्रवक्ता ने बुधवार को बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शोपियां में आतंकी हमले में मारे गये कन्नौज निवासी मनीष और रामसागर के परिजनों को पांच–पांच लाख रुपये की सहायता राशि दिए जाने के निर्देश दिए हैं। कन्नौज में जिलाधिकारी शुभ्रंत कुमार शुक्ला ने मंगलवार को कहा था कि पीड़ित दो महीने पहले कश्मीर गये थे और शोपियां जिले में बतौर मजदूर काम कर रहे थे। उन्होंने बताया कि दोनों अन्य मजदूरों के साथ टिन से बने एक आश्रय गृह (शेड) में सो रहे थे, तभी आतंकवादियों ने उन पर ग्रेनेड से हमला किया। पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह ने कहा, ''पोस्टमार्टम होने के बाद मजदूरों के शवों को विमान से लखनऊ लाया जाएगा और सड़क मार्ग से उनके गांव ले जाया जाएगा।

नोएडा के पैथोलॉजी लैब में लगी आग, कोई हताहत नहीं

नोएडा में एक पैथोलॉजी लैब में मंगलवार देर रात को आग लग गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बुधवार को बताया कि आग को बुझा लिया गया है और घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। एक स्थानीय पुलिस अधिकारी ने बताया, ''घटना सेक्टर 63 थाना क्षेत्र के एच– ब्लॉक में स्थित एक पैथोलॉजी लैब में देर रात 11 बजे हुई। दमकल विभाग की करीब आधा दर्जन गाड़ियों ने दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।'' मुख्य दमकल अधिकारी अरुण कुमार सिंह ने बताया कि सेक्टर 63 थाना क्षेत्र के एच–ब्लॉक में एक पैथोलॉजी लैब में मंगलवार देर रात अज्ञात कारणों से आग लग गई।उन्होंने बताया कि आग बुझाने के लिए दमकल की आधा दर्जन गाड़ियों को भेजा गया और दो घंटे बाद आग पर काबू पा लिया गया। अधिकारी ने बताया कि घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है और इसके चलते हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है।

मल्लिकार्जुन खड़गे के कांग्रेस अध्यक्ष बनने पर पीएम मोदी ने किया ट्वीट, जानिए क्या कहा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को मल्लिकार्जुन खड़गे को कांग्रेस का अध्यक्ष चुने जाने पर बधाई दी। उन्होंने ट्वीट करके आने वाला कार्यकाल के फलदायी होने की कामना की। खड़गे के रूप में कांग्रेस को 24 साल के बाद गैर–गांधी अध्यक्ष मिला है। उन पर आने वाले चुनावों में पार्टी को जीत दिलवाने की अहम जिम्मेदारी होगी। खड़गे के कांग्रेस अध्यक्ष चुने जाने के बाद पीएम नरेंद्र मोदी ने ट्वीट किया, श्श श्री मल्लिकार्जुन खड़गे जी को कांग्रेस के अध्यक्ष के रूप में उनकी नई जिम्मेदारी के लिए मेरी शुभकामनाएं। उनका आगे का कार्यकाल फलदायी हो।श्श बता दें कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मल्लिकार्जुन खड़गे बुधवार को पार्टी के नए अध्यक्ष निर्वाचित हो गए। उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी शशि थरूर को 6,825 मतों के अंतर से पराजित किया। कांग्रेस के केंद्रीय चुनाव प्राधिकरण के प्रमुख मधुसूदन मिस्त्री ने मल्लिकार्जुन खड़गे को निर्वाचित घोषित किया। उन्होंने बताया कि खड़गे को 7,897 वोट मिले तथा थरूर को 1,072 वोट हासिल हुए। मिस्त्री ने बताया कि चुनाव में 9,385 वोट पड़े थे और इनमें से 416 वोट अवैध करार दिए गए।

नगर निगम मे शामिल हुये गांव अनदेखी का शिकार

–खोजनपुर ग्राम सभा के मोदहा कालोनी में गंदगी का अम्बार

अयोध्या। नगर निगम मे शामिल हुये नए गांव अभी भी अनदेखा किया जा रहा हैं। ऐसा हम नहीं कह रहें यह कहना हैं खोजनपुर ग्राम सभा के मोदहा कालोनी वासियो का जहां मंदिर मे पूजा करने जाने के लिये गंदगी से होकर गुजराना पड़ता हैं। जबकि ग्रामीणों ने इसकी शिकायतक कई बार पूर्व प्रधान व निगम प्रसाशन से कर चुके हैं। वहीं इस बाबत जब खोजनपुर के पूर्व प्रधान शंकरजीत यादव से बात कि हंप तो उन्होंने बताया कि जब से हमारी ग्राम सभा को नगर निगम मे शामिल कुया गया हैं तभी से इन इलाकों के साथ शौतेला व्यवहार किया जा रहा हैं। उनका खाना हैं कि जब यह इलाके ग्राम सभा मे हुआ कर्ता था तब यहां केवल एक महिला सफाई कर्मी मिली थी जो पुरे गांव कि सफाई करती थी।

वहीं गांव को नगर निगम मे शामिल करने के बाद कुल १० सफाई कर्मियों कि नियुक्ति हैं परन्तु सफाई कि बात करें तो सामने दिखाई दें रहा। अब यह हमारे व ग्रामीणों के साथ शौतेला व्याहावर नहीं तो क्या हैं उधर केंद्र व प्रदेश कि भाजपा सरकार अयोध्या को स्वक्छ व सुंदर बनाने का प्रयास कर रहीं हैं परन्तु अधिकारियो के कानो तक जू तक नहीं रेंज रहा हैं। वहीं स्थानीय लोगो का कहना हैं कि यहां यह स्थित आज से नहीं बल्कि आदि से हैं। बरसात मे तो इस गली मे चल पाना मुश्किल होता हैं तो वहीं गंदे पानी मे चलने के कार कई घरों के बच्चों को गंभीर बीमारी का भी सामना करना पड़ता हैं। शिकायत करने वालों मे अरविन्द जायसवाल, श्यामू पासवान, मनोज जायसवाल, निखिल जायसवाल, साबिर, गोलमाल दास, राजू जायसवाल, सुलेमान, सुनील जायसवाल, मेराज खा, सोनू खाना, सहित तमाम महिलाये भी शामिल रहीं। ग्रामीणों ने कि नुग्र निगम अगर हमारी समस्यो कि अब अनदेखी करेगा तो हम भी निकाय चुनाव मे इसका मू तोड़ जवाब देंगे।

रिश्ते को किया शर्मसार, पुलिस ने भेजा जेल

सोहावल–अयोध्या । रौनाही थाना क्षेत्र के एक गांव में रिश्ते को शर्मसार करने का मामला प्रकाश में आया है। जहाँ मौसरे भाई ने अपनी रिश्ते में लगने वाली बहन से शादी करने का झांसा देकर सम्बंध बनाता रहा और जब मन भर गया तो इस अबला को छोड़कर शहर भाग गया।

वहाँ से वापस आने पर जब लड़की ने शादी करने के लिए कहा तो उसने साफ इंकार कर दिया।पीड़ित ने इस मामले की तहरीर देकर न्याय की गोहर लगाई है। मामला रौनाही थाना क्षेत्र के सोहावल गांव का है।

जहां रिश्ते को शर्मसार करने का मामला सामने आया है। इस मामले में एक कलयुगी मौसेरे भाई ने अपने लगने वाली बहन के साथ ऐसा कृत्य कर डाला कि कोई भी सुनकर रिश्ते पर विश्वास नहीं कर पाएगा। बड़ागांव की रहने वाली एक लड़की ने रौनाही थाने में दी गई तहरीर में आरोप लगाया है कि हमारी मौसी का घर सोहावल गांव में है स लगभग डेढ़ साल पहले मौसा की तबियत खराब होने के कारण यहां आयी थी जहां हमारे रिश्ते में लगने वाले भाई मनीष मौर्या ने हमारे साथ जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाए जब हमने विरोध किया तो कहा कि बात न बढ़ाओ हम आपस मे शादी कर लेंगे।इस प्रकार शादी का देकर डेढ़ साल तक सम्बंध बनाता रहा और लगभग 3 महीना पहले हमको अपने घर छोड़कर चकमा देकर गायब हो गया।उसके जाने के बाद इसके घर वाले इसकी भाभी और मां ने हमारे साथ मारपीट करके घर से निकलना चाहा जिसकी सिकायत हमने रौनाही थाने पर किया तो हमे घर मे रहने दिया।पीड़िता ने बताया कि अब मनीष जब लौटकर आया और हमने शादी करने के लिए कहा तो इसने साफ इंकार कर दिया है। इस बारे में पूछे जाने पर रौनाही थाना प्रभारी ने बताया कि मामले की तहरीर मिली है। इस मामले में नामजद अभियुक्त को जेल भेजने की कार्यवाही की जा रही है।

रेलवे लाइन के किनारे मिला युवक का शव

बीकापुर–अयोध्या । बीकापुर कोतवाली क्षेत्र के मलेथू कनक स्थित रेलवे लाइन के किनारे . सुबह संदिग्ध परिस्थितियों में एक युवक का शव मिला है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टपार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच कर रही है।

बताया गया कि मृतक की पहचान कोतवाली क्षेत्र के नंदरौली गांव निवासी सहजादे पुत्र घोंघे के रूप में हुई है। प्रथम दृष्टया पुलिस मौत की वजह दुर्घटना मान रही है। पुलिस का कहना है कि मृतक नशेड़ी किश्म का व्यक्ति था, 2 महीने पहले बीकापुर कोतवाली में एनडीपीएस एक्ट की धारा में उसका चालान भी हुआ था। पुलिस मान रही है कि शायद देर रात रेलवे ट्रैक पार करते समय ट्रेन की चपेट में आने से उसकी मौत हुई है। पुलिस का कहना है कि शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट आने के बाद ही मौत से सही करणों का पता चल सकेगा।

नगर पंचायत चुनाव को लेकर ताने–बाने बुनने शुरू

गोसाईगंज–अयोध्या। आगामी नगर पंचायत चुनाव को लेकर सभी राजनीतिक पार्टियों ने अपने ताने–बाने बुनने शुरू कर दिए हैं।इसी क्रम मे देर शाम भारतीय जनता पार्टी ने नगर पंचायत की कुर्सी पर अध्यक्ष एवं सभासदों की ताजपोशी के लिए ठकुराइन मंदिर में पार्टी कार्यकर्ताओं की एक बैठक बुलाई।जिसमे मुख्य अतिथि के रूप मे पूर्व जिलाध्यक्ष कमला शंकर पांडे तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में गोशाईगंज नगर पंचायत के भाजपा प्रभारी बनाये गए विनीत सिंह बिन्नू, गोसाईगंज मंडल अध्यक्ष अशोक वर्मा के साथ नवनियुक्त गोसाईगंज नगर पंचायत चुनाव संयोजक बजरंग चौरसिया मौजूद रहे।कार्यकर्ताओ को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि ने कहाकि पार्टी ने सभी वार्डों में प्रभारी नियुक्त कर नगर पंचायत चुनाव में सभी सीटे जीतने का लक्ष्य तय किया है।जिसके लिए सभी कार्यकर्ता अभी से जुट जाए।प्रभारी विनीत सिंह बिन्नू ने कहाकि नगर पंचायत में चेयरमैन और सभासद की सभी सीटों पर हर हाल में पार्टी का कब्जा होगा तो वंही संजय पराग ने कहाकि आपसी गुटबाजी न करे और पार्टी द्वारा घोषित प्रत्यासी को जिताने का काम करे।बैठक में पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष श्री नाथ गुप्ता,ओम प्रकाश सोनी,प्रदीप जायसवाल,गोपी नाथ अगियार,शेखर जायसवाल,शिवकुमार यादव, विजय लक्ष्मी जायसवाल,राजेश कुमार मोहित कसौधन,राजन सोनी,अवधेश स्वर्णकार,रामनाथ,रविकांत,मीना गुप्ता सहित तमाम कार्यकर्ता मौजूद रहे।

डीएवी में दो दिवसीय खेल प्रतियोगिता का हुआ शुभारंभ

–कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति ने प्रतियोगिता का किया उद्घाटन

मिल्कीपुर अयोध्या । आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कुमारगंज परिसर स्थित एन डी डी ए वी पब्लिक स्कूल में दो दिवसीय 8 वीं राष्ट्रीय खेल कूद प्रतियोगिता का उद्घाटन कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ बिजेंद्र सिंह द्वारा किया गया। उद्घाटन के बाद विश्वविद्यालय के कुलपति ने अपने अभिभाषण में अपने बचपन की यादों को ताजा करते हुए कहा कि उस समय सुविधाएं इतनी अच्छी नहीं थी। संसाधनों का अभाव था। अब सुविधाओं तथा संसाधनों की कमी नहीं है। उन्होंने बच्चों को खेल से होने वाले लाभ से भी अवगत कराया। उद्घाटन कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि एच आर हेड मनोज कुमार झा इंडो गल्फ फर्टिलाइजर जगदीशपुर अमेठी ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि एक खिलाड़ी को हार जीत की परवाह किए बिना अनुशासन के साथ खेल खेलना चाहिए। खेल हमें अनुशासन तथा सहयोग करना सिखाता है। हमें हार तथा जीत दोनों से प्रेरणा लेनी चाहिए। उद्घाटन कार्यक्रम में पहुंचे मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों का डीएवी पब्लिक स्कूल कुमारगंज की प्रधानाचार्य पुष्पा कुमारी ने स्वागत करते हुए आभार जताया। उद्घाटन मैच डीएवी पब्लिक स्कूल नानपारा व खड़िया के बीच 10 ओवर का खेला गया। जिसमें अनपरा ने पहले टॉस जीतकर बैटिंग करते हुए 51 रन बनाया तथा डीएवी पब्लिक स्कूल खड़िया इसका पीछा करते हुए मात्र 37 रन पर ही ऑल आउट हो गई। उद्घाटन मैच डीएवी अनपरा ने 14 रनों से जीत लिया। दूसरा मैच डीएवी ऊंचाहार तथा डीएवी रावर्टगंज की टीमों के बीच खेला गया। जिसमें ऊंचाहार की टीम ने 109 रनों से जीत हासिल की। कबड्डी प्रतियोगिता में पहला मैच कुमारगंज और वाराणसी के बीच खेला गया। जिसमें कुमारगंज ने 16 अंकों से जीत हासिल की।

दूसरा मैच डीएवी टांडा और डीएवी परासी के बीच खेला गया। जिसमें टांडा की टीम 21 अंक से विजई हुई। कबड्डी प्रतियोगिता का पहला सेमीफाइनल मुकाबला रिहन्द नगर और कुमारगंज के बीच खेला जाएगा। वहीं खो खो प्रतियोगिता में पहला मैच डीएवी परासी तथा डीएवी टांडा के बीच खेला गया। जिसमें टांडा की टीम ने 11 अंक से जीत हासिल की। खो– खो प्रतियोगिता का दूसरा मैच अनपरा और वाराणसी के बीच खेला गया। जिसमें डीएवी अनपारा 11 अंक से विजई हुई।

तीसरा मैच डीएवी रावटसगंज व टांडा के बीच खेला गया। जिसमें टांडा की टीम 2 अंक से विजई रही। डीएवी पब्लिक स्कूल कुमारगंज की प्रधानाचार्य पुष्पा कुमारी ने जानकारी देते हुए बताया कि फाइनल मैच टांडा और अनपरा की टीमों के बीच खेला जाएगा।

ब्लॉक स्तरीय संगोष्ठी व उन्मुखीकरण कार्यशाला संपन्न

मिल्कीपुर–अयोध्या। मिल्कीपुर ब्लाक क्षेत्र के ग्राम प्रधानों तथा शिक्षा क्षेत्र मिल्कीपुर स्थित परिषदीय विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों की ब्लॉक स्तरीय संगोष्ठी एवं उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मिल्कीपुर विधायक एवं पूर्व मंत्री अवधेश प्रसाद तथा विशिष्ट अतिथि एसडीएम मिल्कीपुर अमित कुमार जायसवाल रहे। मिल्कीपुर शिक्षा क्षेत्र स्थित कमपोजिट विद्यालय किनौली के प्रांगण में ग्राम प्रधान ध्स्थानीय प्राधिकारी संगोष्ठी कार्यक्रम आयोजित किया गया। संगोष्ठी में निपुण भारत मिशन, एनएटी 2022 एवं मिशन कायाकल्प के अंतर्गत 19 पैरामीटर के संतृप्तिकरण पर चर्चा की गई। कार्यक्रम का संचालन उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ ब्लॉक इकाई मिल्कीपुर अध्यक्ष मुकेश प्रताप सिंह ने किया। कार्यक्रम में पहुंचे मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि को खंड शिक्षाधिकारी इंदिरा देवी ने बुके व स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए बैज लगाकर सम्मानित किया। कार्यक्रम के दौरान परिषदीय विद्यालयों के नन्हे–मुन्ने बच्चों द्वारा स्वागत गीत एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किया गया। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए विधायक अवधेश प्रसाद ने कहा कि बच्चे देश के भविष्य हैं। शिक्षक अपने दायित्व एवं कर्तव्यों का सम्यक निर्वहन करेंगे तभी निपुण भारत मिशन पूरी तरह से सफल हो सकेगा। बैठक को संबोधित करते हुए एसडीएम अमित कुमार जायसवाल मौजूद ग्राम प्रधानों एवं शिक्षकों से आपसी सामंजस्य बनाक विद्यालय कार्यों में परस्पर सहयोग की बात कही। बैठक में मिल्कीपुर ब्लाक क्षेत्र के दर्जनों ग्राम प्रधान एवं परिषदीय विद्यालयों के प्रधानाध्यापक मौजूद रहे।

प्रशिक्षण परिषद में हुआ शपथग्रहण, राज्य स्तरीय ट्रेनर ने की शिक्षक प्रदीप शर्मा की सराहना

उन्नाव । आज राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद में, कॉलेज ऑफ टीचर एजुकेशन लखनऊ उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित समावेशी शिक्षा प्रशिक्षण (माध्यमिक) में डॉ मीनाक्षी गंगवार प्रधानाचार्य राजकीय बालिका हाई स्कूल सोहरामऊ उन्नाव द्वारा, जनपद के शिक्षक प्रदीप वर्मा व संजीव संखवार द्वारा संचालित नशा मुक्त उन्नाव अभियान की मुहिम के अंतर्गत नशामुक्ति की शपथ ग्रहण कराई गई। डॉक्टर मीनाक्षी गंगवार ने इस मुहिम को जनकल्याणकारी बताया, उन्होंने कहा आज नशे की ही लत का परिणाम है कि बहुत सा युवा वर्ग अपने मार्ग से भटक गया है, लीवर और कैंसर जैसी बीमारियों का कारण भी काफी हद तक नशा ही है, जनपद उन्नाव में चल रही नशामुक्ति मुहिम की प्रधानाचार्या मीनाक्षी गंगवार ने सराहना की

दीपोत्सव को लेकर सामाजिक संगठनों के साथ बैठक

अयोध्या। मण्डलायुक्त नवदीप रिणवा की अध्यक्षता में प्रान्तीयकृत दीपोत्सव मेला 2022 को भव्यता के साथ मनाये जाने को लेकर विभिन्न सामाजिक संगठनों, व्यापार मण्डलध्उद्योग प्रतिनिधियों तथा अधिकारियों के साथ सहभागिता हेतु बैठक की गयी। मण्डलायुक्त ने बैठक में उपस्थित सभी संगठनों के पदाधिकारियों से दीपोत्सव में किये जा रहे उनके सहयोग के बारे में जानकारी तथा उनके सुझाव भी प्राप्त किये। उन्होंने कहा कि इस बार का दीपोत्सव काफी भव्यता के साथ मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राम की पैड़ी पर दीप प्रज्ज्वलन के बाद होने वाले लेजर लाइट शो आमजन के लिए 22 अक्टूबर व दीपावली के दिन 24 अक्टूबर 2022 उपलब्ध रहेगा।

जनपद के विभिन्न होटलों के संचालकों से उन्होंने कहा कि दीपोत्सव में बाहर से आने वाले श्रद्वालुओंध्अतिथियों हेतु सभी व्यवस्थाओं अच्छी हो तथा होटल परिसर के कमरें व शौचालय अच्छी तरह से साफ सुथरे हों। उन्होंने नगर क्षेत्र में आने वाले सभी नर्सिंग होमध्प्राईवेट हास्पिटल के संचालकों से अपील किया कि अस्पताल के आसपास पड़ने वाले चौराहे की साफ–सफाई तथा दीपोत्सव के दिन दीप प्रज्जवलित करें।

उन्होंने अपर जिलाधिकारी प्रशासन को निर्देश दिया कि सभी इच्छुक सामाजिक संगठनों को प्रमुख चौराहों पर दीप प्रज्जवलन हेतु आवंटित कर दिया जाय तथा उनको चौराहों की सजावट में प्रशासन द्वारा पूर्ण सहयोग किया जाय। उन्होंने उपस्थित सभी सामाजिक संगठन के पदाधिकारियों से सभी घरों चौराहों, प्रमुख स्थलों, एवं सामाजिकध व्यपारिक संगठनों के प्रतिष्ठानों में भी दीप प्रज्ज्वलन कराएं तथा अन्य संगठनों को जोड़ते हुए शहर के सभी चौराहों पर अच्छे तरीके से सजावट के साथ दीप प्रज्ज्वलन और आकर्षक रंगोली सजाने की अपील की तथा सभी दुकानदारों को सूचित किया जाए कि कूड़े को कूड़ादान में डाले तथा उसकी नियमित साफ–सफाई स्वयं करें। उन्होंने पुलिस विभाग से अपेक्षा की कि मेला परिसर में ट्रैफिक व्यवस्था हेतु सभी पुख्ता इंतजाम कर लिया जाय तथा आने वाले श्रद्वालुओं के सुरक्षा के दृष्टिगत सभी उपाय किये जाय। बैठक में अपर जिलाधिकारी प्रशासन श्री अमित सिंह, पर्यटन अधिकारी सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों, व्यापार मण्डलध्उद्योग प्रतिनिधिगण, सम्मानित नगरवासी गण उपस्थित रहे।

अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत

कानपुर। महाराजपुर के रहने वाले रवि सिंह चौहान (35) बर्रा गांव में बहन रेखा के पास रहते थे। रात वह पनकी के लोहिया चौराहे के पास फैक्ट्री से काम करके घर लौट रहे थे। लोहिया चौराहे के पास उन्हें अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

नशे में धुत युवकों ने कार में पथराव कर पिता–पुत्र को पीटा

कानपुर। पनकी में नशे में धुत युवकों ने कार में पथराव कर पिता–पुत्र को पीट दिया। रतनपुर कॉलोनी निवासी अजय तिवारी रात पनकी मंदिर से बेटे ऋषभ के साथ नई कार से घर लौट रहे थे। ध आरोप है कि नशे में धुत ई–रिक्शा सवारों ने उनकी कार के आगे ई–रिक्शा लगा दिया। विरोध करने पर आरोपितों ने मारपीट की। पथराव करके कार को क्षतिग्रस्त कर दिया। पनकी थाना प्रभारी ने बताया कि तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है।

राम नगरी का दीपोत्सव बन गया विश्व स्तरीय कार्यक्रम : कुलपति

–दीपोत्सव के लिए सभी को एकजुटता का परिचय देना होगा

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के स्वामी विवेकानंद सभागार में सायं दीपोत्सव 2022 की तैयारियों को लेकर समस्त अधिकारियों, शिक्षकों व कर्मचारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए विवि के कुलपति प्रो0 अखिलेश कुमार सिंह ने बताया कि 23 अक्टूबर को अयोध्या का दिव्य दीपोत्सव हम सभी के लिए महत्वपूर्ण है। पिछले के मुकाबले इस बार के दीपोत्सव में 30 प्रतिशत अधिक दीए जलाने है। सभी को पिछले वर्षों की सफलता को लेकर आत्ममुग्ध नहीं होना चाहिए। छठे दीपोत्सव की सफलता के लिए सभी को श्रेष्ठ सहयोग करना होगा। बैठक में कुलपति ने कहा कि दीपोत्सव को भव्य बनाने के लिए शत–प्रतिशत सहयोग करने की जरूरत है। यह दायित्व सबका है इसके लिए सामूहिक रूप से सक्रिय होना होगा। कुलपति प्रो0 सिंह ने उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि राम नगरी का दीपोत्सव विश्व स्तर का कार्यक्रम बन गया है इसे सफल बनाना है। सब एक एकजुट होकर दीपोत्सव के पिछले रिकार्ड को तोड़ते हुए गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड में नया प्रतिमान दर्ज कराएं। दीपोत्सव नोडल अधिकारी व विवि सलाहकार समिति के अध्यक्ष प्रो0 अजय प्रताप सिंह ने बताया कि इस बार के दीपोत्सव में विश्वविद्यालय के बड़ी संख्या कर्मचारी सहभागिता प्रदान कर रहे है। सभी को उनके दायित्वों से अवगत करा दिया गया है। दीपोत्सव को एतिहासिक बनाने के लिए पूरी एकजुटता का परिचय देना होगा। इससे लक्ष्य को आसानी से प्राप्त कर लिया जायेगा। विवि के कुलसचिव उमानाथ ने कहा कि इस दीपोत्सव में कर्मचारियों को भी दायित्व प्रदान किया गया है। विश्वविद्यालय परिवार आयोजन को सफल बनाने के लिये अपना शत–प्रतिशत योगदान करने को तत्पर है। कार्यक्रम का संचालन दीपोत्सव नोडल अधिकारी प्रो0 अजय प्रताप सिंह द्वारा किया गया। धन्यवाद ज्ञापन प्रो0 नीलम पाठक ने किया। इस अवसर प्रो0 चयन कुमार मिश्र, प्रो0 एसएन शुक्ल, डॉ0 शिवी श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में अधिकारी, शिक्षक व कर्मचारी उपस्थित रहें।

आधी आबादी महंगाई से बुरी तरह परेशान : रेनू राय

अयोध्या। महिला कांग्रेस की नवनियुक्त जिला अध्यक्ष रेनू राय का कांग्रेस जनों ने कमला नेहरू भवन पर जिला अध्यक्ष अखिलेश यादव की अगुवाई में भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर आयोजित स्वागत कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष अखिलेश यादव तथा संचालन जिला उपाध्यक्ष अनिल सिंह ने किया। इस अवसर पर अपने स्वागत से अभिभूत महिला जिला अध्यक्ष श्रीमती रेनू राय ने कहा कांग्रेस की महिला शाखा को मजबूत करने के लिए पूरी ईमानदारी और लगन से मेहनत करेंगी। श्रीमती रेनू राय ने कहा आधी आबादी महंगाई से बुरी तरह परेशान है महिलाओं का घरेलू बजट सत्ताधारी सरकार ने बिगाड़ दिया है। शीघ्र ही पूरे जिले में महिला कांग्रेस कमेटी को प्रत्येक ब्लॉकों में सक्रिय करने का प्रयास करेंगी।

अध्यक्षता कर रहे जिला अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा पूरी पार्टी को नवनियुक्त जिला अध्यक्ष महिला कांग्रेस रेनू राय से उम्मीद है की पार्टी की महिला शाखा को वह मजबूत करेंगी। महानगर अध्यक्ष वेद सिंह कमल ने कहां रेनू राय की सक्रियता से यह साफ परिलक्षित होता है वे महिला कांग्रेस को नई उर्जा प्रदान करेंगी। इस अवसर पर प्रमुख रूप सेमहिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष रेनू राय जी के स्वागत कार्यक्रम में एआईसीसी सदस्य राजेंद्र प्रताप सिंह ,पूर्व जिला अध्यक्ष रामदास बर्मा, प्रवीण श्रीवास्तव मनोज जयसवाल ,धर्मवीर दुबे ,अनिल तिवारी, जय मंगल दास ,शैलेंद्र मणि पांडे ,केसरी मिश्रा, डीएन वर्मा, रामचरित्र मौर्य, दिनेश चौधरी, राहुल मौर्या, विनोद गुप्ता, विजय पांडे ,उमेश उपाध्याय, बसंत मिश्रा रामकरण राम बहादुर सिंह अब्दुल हकीम सुधीर प्रदीप ,राम अवध ,सविता यादव ,उषा कोरी, दयावती ,पुष्पा, सुनीता यादव ,शीला सोनी ,पांडे पूनम, गुड़िया, उर्मिला, आदि उपस्थित रहे।

पांच बार से अजेय शिक्षक विधायक रहे राज बहादुर सिंह चंदेल ने छठी बार चुनावी रण में भरी हुंकार

उन्नाव। शिक्षक विधायक चुनाव की संभावित तिथि नजदीक आ गयी है। यह चुनाव जनवरी – फरवरी कराए जाने है । घ्से में सभी उम्मीदवारों ने कमर कस ली है । पहले राजनीतिक पार्टी अपना कैंडिडेट इस चुनाव में नहीं उतारती थी बल्कि अपने उम्मीदवार को अपना समर्थन दे देती थी लेकिन सूत्रों की माने तो इस बार भाजपा भी अपने सिंबल पर यह चुनाव लड़ाने वाली है। ऐसे में 5 बार से अजेय विधायक रहे राज बहादुर चंदेल के लिए कड़ी चुनौती है । लेकिन 5 बार से विधायक रहे राजबहादुर चंदेल ने अपने व्यक्तित्व से शिक्षकों के दिल में अलग जगह बना ली है अपनी निधि का एक–एक पैसा बिना कमीशन लिये बिना जरूरत मंद विद्यालयों में बांट देना ही उनके लिए जीत का कारण हर बार बनता है । वही इस बार देखना यह होगा जहां अन्य पार्टियों अपने सांसदों विधायकों व जमीनी कार्यकर्ताओं को इस चुनाव में लगा रही है ऐसे में क्या अकेले राजबहादुर चंदेल भाजपा से टक्कर ले पाएंगे।

कौन है राज बहादुर सिंह चंदेलः 2001 में राजा शंकर सहाय इंटर कॉलेज उन्नाव से रसायन विज्ञान के स्नातकोत्तर शिक्षक के रूप में सेवानिवृत्त हुए । वह 2017 से शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र (कानपुर नगर, कानपुर देहात, उन्नाव) से उत्तर प्रदेश की विधान परिषद के सदस्य रहे हैं। वह 1977 से शिक्षक राजनीति में सक्रिय हो गए। 1992 में पहली बार उन्होंने शिक्षक समूह के उम्मीदवार के रूप में कानपुर शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के लिए विधान परिषद उत्तर प्रदेश के सदस्य का चुनाव जीता। उन्होंने 1998 और 2004 में शिक्षक समूह के उम्मीदवार के रूप में कानपुर शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के लिए विधान परिषद उत्तर प्रदेश के सदस्य का चुनाव भी जीता । 2010 में उन्होंने एक स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में कानपुर शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के लिए विधान परिषद उत्तर प्रदेश के सदस्य के लिए चुनाव लड़ा और एमएलसी की सीट जीती। . चंदेल ने 2017 में कानपुर शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से एमएलसी की सीट जीती ।

मनमानी फीस वसूल रहे निजी विद्यालयों को सत्ता का है संरक्षण उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि सत्ता के संरक्षण में निजी विद्यालय मनमानी फीस वसूल रहे हैं जिससे गरीब बच्चे अच्छी शिक्षा नहीं पा पा रहे हैं वहीं महंगाई भी चरम पर है ऐसे में गांधी जी का जो सपनों का भारत था उसकी कल्पना भला कैसे की जा सकती है हम लोग जब सदन में मुद्दा उठाते हैं तो हमारे लोगों की आवाज दवा दी जाती हैं जबकि सभी को समान रूप से शिक्षा दी जानी चाहिए और सामान्य शुल्क दर पर उत्तम शिक्षा दी जानी चाहिए ।

अब अँधेरे में नही होगा दाह संस्कार, बनी अस्थाई विद्युत व्यवस्था

रात्रि के समय शव को जलाने के लिए समाजसेवी रवि अग्रवाल ने बनाई अस्थायी विद्युत व्यवस्था, लोगों ने की इस कदम की सराहना

दैनिक बुद्ध का संदेश
शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। स्थानीय कस्बे में गड़ाकुल निवासी अधिवक्ता नागेंद्र कुमार श्रीवास्तव सोसालमीडिया पर अपनी वेवाक लेखनी और जनसमस्याओं को अक्सर चर्चा में रहते है। हाल ही के दिनों उन्होंने शमशान घाट पर बिजली की स्थाई व्यवस्था को लेकर विद्युत विभाग के उच्च अधिकारियों से पत्राचार करते हुए सोसालमीडिया पर लिखा कि शोहरतगढ़ के निकट स्थित बानगंगा घाट पर जो श्मशान घाट है, वहां पर विद्युत की व्यवस्था के संदर्भ में हम लगातार लगे हुए हैं। हमने उच्चाधिकारियों से पत्राचार भी कर रखा है और व्यक्तिगत स्तर पर बात भी कर रखी है। जैसे ही औपचारिकता पूरी होंगी वहां विद्युत की व्यवस्था की जाएगी। लेकिन तब तक के लिए नगर पंचायत अध्यक्ष शोहरतगढ़ से विनम्र प्रार्थना है कि नगर पंचायत में यदि किसी की मृत्यु होती है और उसे शाम के समय श्मशान घाट ले जाया जाता है तो जब तक कि स्थाई व्यवस्था नहीं हो जाती है, तब तक के लिए छोटा जनरेटर और दो हैलोजन की व्यवस्था श्मशान घाट पर कराने का कष्ट करें। उन्होंने यह भी लिखा कि– ष्जिसके घर में मृत्यु होती है उसका परिवार अंधकार में आ जाता है तो कम से कम जिसकी मृत्यु हो गई है उसको तो इस पृथ्वी से अंधकार में विदा ना किया जाए.... जाना सभी को एक न एक दिन उसी घाट पर है, तो कम से कम इस पृथ्वी को अंधेरे में तो ना अलविदा कहा जाय।ष् इसी अनुक्रम में मा० नगर पंचायत अध्यक्ष जी से अनुरोध है ईश्वर की कृपा से उन्हें ऐसा पद प्राप्त है वे मानवीय संवेदनशीलता दिखाते हुए कम से कम शोहरतगढ़ नगर पंचायत में यदि किसी की मृत्यु होती है और असुविधा के कारण उसे दाह संस्कार 4 बजे के बाद करना पड़ता है तो वे श्मशान घाट पर नगर पंचायत की ओर से 2 घंटे के लिए छोटे जनरेटर और 2 हेलोजन की व्यवस्था सरकार द्वारा, स्थाई व्यवस्था होने तक, दीपावली से लेकर होली तक जब तक दिन छोटा होता है तब तक के लिए करा दें तो बड़ी कृपा होगी, लेकिन इसकी सूचना के लिए जिस घर में मृत्यु होती है। उन्होंने यह भी लिखा कि ष्यदि किन्हीं कारणों से नगर पंचायत द्वारा व्यवस्था में असुविधा होती है तो संबंधित परिवार से अनुरोध है कि वह,. समुचित सम्यक और संतोषजनक समय के अंदर तत्काल हमारे फोन नंबर पर हमसे संपर्क करें, हम उसकी व्यवस्था या तो नगर पंचायत से या स्वयं अपने स्तर से करा देंगे। जिस संदर्भ में उन्होंने तात्कालिक सहयोग उपलब्ध कराने के लिए समाजसेवी रविअग्रवाल जीबधाई देते हुए लिखा कि हमने सुबह एक पोस्ट डाली थी जिसमें यह कहा था कि दीपावली से होली तक कम से कम शमशान घाट पर यदि कोई दाह संस्कार 4 बजे के बाद होता है तो उसकी सूचना समुचित समय में हमें दी जाए तो चाहे नगर पंचायत शोहरतगढ़ और चाहे हम उसका इंतजाम करने का पूरा प्रयास करेंगे। इसी बीच हमें फेसबुक पर ज्ञात हुआ कि प्रिय रवि अग्रवाल भाई ने हमारी पोस्ट पर संवेदनशीलता दिखाते हुए हमें यह बताया है कि दीपावली से होली तक जब छोटे दिन होते हैं तो शवदाह के लिए समुचित समय पर जानकारी होने पर उनके द्वारा विद्युत का इंतजाम करा दिया जाएगा। धन्यवाद रवि भाई को। इसके साथ ही उन्होंने यह भी लिखा कि समाज में अगर ऐसे ही और संवेदनशील व्यक्ति सामने आएं और संवेदनशीलता का परिचय दिखाएं तो बहुत सारी समस्याएं खुद–ब–खुद कम हो सकती हैं।

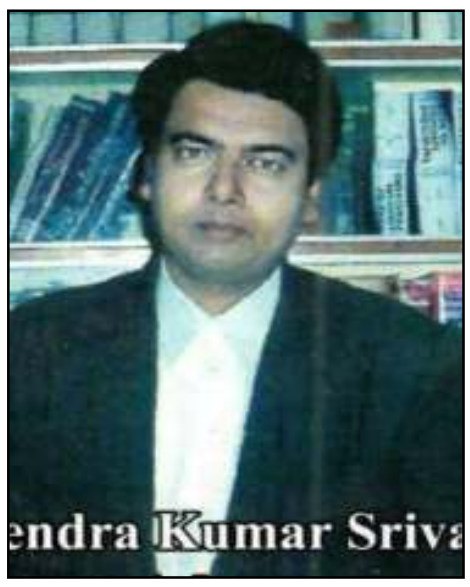

गांव में बजबजा रही नालिया गंदगी से संक्रमण फैलने का बढ़ा खतरा

जिम्मेदार नहीं ले रहे कोई सुध

पंकज चौबे/
दैनिक बुद्ध का संदेश
सिद्धार्थनगर। सरकार स्वच्छ भारत मिशन के तहत गांव में गंदगी दूर कर स्वच्छता बनाये रखने के लिए अनेक कार्यक्रम चला रही। 15अक्टूबर से 22अक्टूबर तक ग्राम पंचायत वार रोस्टर लगाकर साफ सफाई करवाया जा रहा है वही रेडवारिया ग्राम पंचायत के टोला महादेव गांव में ये योजनाएं दम तोड़ रही है कारण नालियों की सफाई के अभाव नालिया बजबजा रही है। वही गांव में संक्रामक बीमारियों के फैलने का खतरा बना रहता है। फिर भी जिम्मेदार आंख मूंदकर सोए रहते हैं।

गांव में लगा रहता है गंदगी

दैनिक बुद्ध का संदेश
सिद्धार्थनगर। गांव में अब गंदगी का अंबार लगा रहता है। और लोग इससे परेशान होते हैं साथ–साथ मच्छरों का भी प्रकोप बढ़ रहा है। हालांकि कई बार लोगों ने ग्राम प्रधान से सफाई कर्मी के द्वारा नियमित सफाई कराए जाने की मांग भी की है लेकिन समस्या का हल नहीं निकल रहा। बताते चले की ग्राम पंचायत रेडवरिया के महादेव में नाली सफाई ना होने से नालियों में गंदा पानी भरा रहता है।

घरों से निकलने वाला पानी नाली में हो रहा जमा

दैनिक बुद्ध का संदेश
सिद्धार्थनगर। लोगों के घरों से निकलने वाला पानी भी सड़कों पर जमा हो जाता है। महादेव में कुछ स्थानों पर नाली बनी भी है तो उसकी नियमित सफाई नहीं होने से समस्या बनी रहती है। जिससे जलभराव व कीचड़ के बीच जहां संक्रामक बीमारियों के फैलने का खतरा बना हुआ है।वहीं ग्रामीणों को आने जाने में दुश्वारियां झेलनी पड़ रही हैं।ग्राम पंचायत की ओर से साफ सफाई व्यवस्था पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। महादेव व अनेक ऐसे गांव हैं जहां पर गंदगी के कारण ग्रामीणों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा।इसी के चलते गांव में तैनात सफाई कर्मी के विरुद्ध ग्रामीणों का गुस्सा बना रहता है।

विधायक विनय वर्मा द्वारा बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में बाढ़ राहत किट वितरण किया गया

दैनिक बुद्ध का संदेश
तुलसियापुर/सिद्धार्थनगर। लगातार वारिस होने कारण सैकड़ों गांवो में पानी घुस चुका है। बीते दिनों में कई बाँध टूट गया है। खासकर बांध मदरहवा अशोगवा बाँध, लखनापार बैदौला बाँध और अशोगवा नगवा बांध टूटने से आफत बढ़ गई है। बांध टूटने से 500 गांव प्रभावित हो चुका है जिसमें प्रशासन द्वारा 128 गांव को मेरुण्ड घोषित किया गया है। लगभग 70 हजार हेक्टेयर फसल बर्बाद हो गया है लेकिन प्रशासन द्वारा 25 हजार हेक्टेयर बताया जा रहा है। इस बाढ़ के चलते ग्रामीणों साहित जानवरों की समस्या होने लगी है। विधायक विनय वर्मा द्वारा विधानसभा क्षेत्र शोहरतगढ़ के ग्राम बैजनाथा मे बंधा कटान का कारण प्रभावित ग्राम सभा में पहुँचकर उस पार फँसे जनता के बीच राहत सामग्री जैसा खाना–पानी व अन्य जरुरत के सामान का वितरण में बाढ़ से प्रभावित इलाकों का दौरा किया। नाव में सवार होकर अपने सहयोगियों के साथ उक्त सभी इलाकों बाढ़ के पानी से उत्पन्न समस्याओं को जाना और जनता को हर संभव मदद पहुँचाने हेतु आवश्यक सभी पहलुओं पर गंभीरता से विचार–विमर्श किया गया। विधानसभा क्षेत्र में आई बाढ़ के बाद लोगों के बीच लगातार राहत सामग्री तथा उनके खाने–पीने की वस्तुओं के वितरण के क्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा प्रदत्त बाढ़ आपदा राहत सामग्री के अंतर्गत अकड़हरा, खैरी उर्फ झुंगहवा टोला सेतुडीह में अनाज और अन्य खाने–पीने की वस्तुओं के साथ–साथ रेडिमेड भोजन के सामानों का वितरण व दैनिक जीवन में उपयोग आने वाले सामानों का सभी समर्पित सहयोगियों एवं परिवारजनों के साथ किया गया। विधायक विनय वर्मा ने कहा कि केंद्र तथा राज्य सरकारों द्वारा बाढ़ पीड़ितों के मदद हेतु उपलब्ध कराये गये इस राहत सामग्रियाँ शोहरतगढ़ विधानसभा क्षेत्र के सैंकड़ों गाँवों के लोगों के लिए अति उपयोगी तथा उनकी अत्यंत जरुरतों की चीजों के लिए महत्वपूर्ण है। मैं केन्द्र एवं राज्य सरकार की सराहना करता हूँ तथा उन्हें तथा इस पहल से जुड़े एक–एक विभाग एवं अधिकारियों को हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित करते हैं। अब जल स्तर कम हो रहा है लेकिन बाढ़ के कारण किसानों और गरीबों की समस्या बढ़ गया है। फसल तैयार था लेकिन पानी की वजह से चौपट हो गया है तहसील प्रशासन, बीमा कंपनियों और कृषि विभाग से अनुरोध करता हूँ कि पीड़ित किसानों को उचित मुवाजा दिया जाए। मैं हर संभव विधानसभा क्षेत्र के लिए मदद कर रहा हूँ और करता रहूंगा।

बाढ़ पीड़ितों का मदद करना पुनीत कार्य–जया गुप्ता

दैनिक बुद्ध का संदेश
सिद्धार्थनगर। बाढ़ पीड़ितों का मदद करना पुनीत कार्य है इसको सभी को करना चाहिए। उक्त बातें जिला जज की पत्नी जया गुप्ता ने कही वह बुधवार को सांसद जगदंबिका पाल के पुत्र अभिषेक पाल के साथ ग्राम हथिवडताल, ताल भिरौना, धुसवा, लक्षनपुर, ताल बगहिया में बाढ़ पीड़ितों त्रिपाल, जरीकेन, पका भोजन, लाई, साड़ी, डिग्निटी किट का वितरण लगभग पांच सौ परिवारों में किया गया। इस अवसर पर तहसीलदार सदर रामऋषि रमन,लेखपाल रामकरन गुप्ता, सुनील कुमार आजाद, अमित चौधरी, विनोद प्रजापति, अशोक गुप्ता आदि उपस्थित रहे। उपजिलाधिकारी प्रदीप कुमार यादव ने बताया कि तहसील में कुल नब्बे ग्राम बाढ़ से प्रभावित हैं जिनमे छाछठ ग्राम मैरुण्ड है बाढ़ प्रभावित गांवों में मदद के कुल 93 नाव 18 मोटर वोट लगाई गई हैं। नियमित रूप से पके भोजन का पैकेट खाद्यान्न पैकेट, डिग्निटी किट, त्रिपाल, जरकिन आदि का वितरण नियमित रूप से किया जा रहा है।

बाढ़ प्रभावित ग्राम बगहवा का किया निरीक्षण–मुख्य विकास अधिकारी जयेन्द्र कुमार

दैनिक बुद्ध का संदेश
सिद्धार्थनगर। एस0वी0एस0 रंगाराव, सदस्य (न्यायिक), राजस्व परिषद, उ0प्र0 द्वारा तहसील डुमरियागंज के अन्तर्गत बाढ़ प्रभावित ग्राम बगहवा का का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी जयेन्द्र कुमार उपस्थित थे। निरीक्षण के दौरान एस0वी0एस0 राव, सदस्य (न्यायिक), राजस्व परिषद, उ0प्र0 ने गांव में पहुंचकर प्राथमिक विद्यालय में लगे स्वास्थ्य कैंप का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्वास्थ्य विभाग की तरफ से दी जा रही दवाओं का जानकारी लिया और पूछा कि क्या क्या मौजूद है क्या नहीं है। नोडल अधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि आशा आंगनबाड़ी एएनएम के सहयोग से ग्राम में सभी को सूचित करे कि पानी उबाल कर हो पिया जाय स जिससे दिमागी बुखार एवम जेई ए ई एस से बच्चों को सुरक्षित रखा जा सके। ग्राम में बाढ़ प्राथमिक विद्यालय में स्वास्थ्य शिविर का निरीक्षण किया गया। स्वास्थ्य टीम द्वारा नियमित लोगों का चिकित्सीय परीक्षण करते हुए दवा का वितरण किया गया। अब तक 106 लोगो को ओ0आर0एस0 बुखार सर्दी की दवा तथा पेयजल के लिए क्लोरिन की गोली का वितरण किया गया है। उसके बाद ग्राम प्रधान को बुलाया और कहा कि गांव में सफाई कर्मी कितने हैं फिर प्रधान ने बताया कि इस समय चार सफाई कर्मी है। उपजिलाधिकारी डुमरियागंज कुणाल सिंह को निर्देश दिया कि आवश्यकता पडने पर और सफाई कर्मी लगवा दो और गांव में पानी की सकते ही मनरेगा के कर्मचारियों को आदेश देकर जो कटान हुआ है उसको भरवाये। प्रधान से कहा कि गांव में फागिंग कराने का निर्देश दिया। ग्राम में विशेष आभियान चला कर साफ सफाई करने के निर्देश दिया गया स मुख्य विकास अधिकारी महोदय द्वारा बताया गया कि अभियान चलाया जा रहा है दिवाली से पूर्व ग्रामों की साफ सफाई सुनिश्चित किया जायगा। लेखपाल एवम तहसीलदार को निर्देशित किया गया कि सभी ग्राम में बाढ़ से हुए नुकसान का आकलन कर के अवगत कराने का निर्देश दिया। इसके पश्चात तहसील डुमरियागंज में बाढ़ कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया गया, जहां ड्यूटी पर लगे गौरव नाथ मिश्रा, पेशकार तहसीलदार से अबतक प्राप्त शिकायत एवम निस्तारण हेतु तैयार शिकायत पंजिका का अवलोकन किया गया स उप जिलाधिकारी को निर्देशित किया गया कि कन्ट्रोल रूम संचालित रहे एवं सभी शिकायत का तत्काल निस्तारण सुनिश्चित करें।

जिला युवा उत्सव में विद्या मंदिर रहा अव्वल

दैनिक बुद्ध का संदेश
सिद्धार्थनगर। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार नेहरू युवा केंद ,सिद्धार्थनगर के तत्वावधान में एवं जिला युवा अधिकारी अनुराग यादव के निर्देश नुसार आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत जिला युवा उत्सव 2022–23 का अयोजन मूर्ति देवी स्मारक महाविद्यालय पकड़ी चौक सिद्धार्थनगर में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कपिलवस्तु के सदर विधायक श्यामधनी रही डॉ.भारत भूषण जिला युवा कल्याण अधिकारी राम प्रताप सिंह, वीरजेश तिवारी राम जीत मनोज कुमार विजय पांडेय सोंनाली कैलाश कंचल लता मिश्रा इत्यादि लोग उपस्थित रहें। कार्यक्रम का विषय रहा पेंटिंग, चित्र लेखाक, छायाचित्र, फोटोग्राफी, भाषण प्रतियोगिता, युवा संवाद, संस्कृति कार्यक्रम आदि। कार्यक्रम की सुरवात कपिलवस्तु के सदर विधायक अपने उद्धबोधन में अपने आर्शीवचन के फलस्वरूप में कहा कि मुझे बड़ा आश्चर्य चकित हो रहा है कि इस विषम परिस्थितियों में हमारे जिले के प्रतिभागि जो यहाँ इतनी भारी मात्रा में उपस्थित है उन सभी के जीवन की मंगल कामना करता हूं। पेंटिंग में प्रथम स्थान अतुल कुमार गुप्ता द्वितीय स्थान विजय कुमार तृतीय स्थान रोहित विश्वकर्मा कविता में प्रथम स्थान अंकित पांडे द्वितीय स्थान सलोनी उपाध्याय तृतीय स्थान अमितेश भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान बिपुल भारद्वाज भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान विपुल भारद्वाज द्वितीय स्थान शिवम गुप्ता तृतीय स्थान प्रखर मिश्र फोटोग्राफी में प्रथम स्थान इसलावती द्वितीय स्थान नीरज तृतीय स्थान दिनेश चौरसिया सांस्कृतिक कार्यक्रम में साक्षी चतुर्वेदी प्रथम स्थान पूजा कुमारी द्वितीय स्थान विजय चौरसिया ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

बाढ़ ग्रसित गांवो में स्वास्थ्य शिविर लगाया गया

दैनिक बुद्ध का संदेश
तुलसियापुर/सिद्धार्थनगर। बढ़नी के बाढ़ प्रभावित गांवो में स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्वास्थ्य शिविर लगाया गया। चारो तरफ से घिरे गांवो में पानी में गंदगी से डर तो संक्रमित बीमारियां का डर लोगों में बना हुआ है। शासन प्रशासन के निर्देश पर हर बाढ़ प्रभावित इलाकों में निःशुक दवा किट बितरण किया जाना है और सभी बच्चे, बूढ़े, जवान, महिलाएं को चेकअप करके दवा देना है। इसी कड़ी में खैरा बाजार, धनौराकाशीप्रसाद, बसाहियां सहित अन्य गांवों में हियुवा जिला महामंत्रीध्पूर्व सदस्य जिला पंचायत अजय सिंह के आग्रह पर प्रभारी चिकित्साधिकारी बढ़नी डा अविनाश चौधरी के निर्देश पर स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। डा.ओपी यादव अपने टीम के साथ स्वास्थ्य शिविर लगाकर जांच व दवा लोगों को वितरित किया। फार्मासिस्ट गुरचरन प्रसाद, सीएचओ पंकज वर्मा, निखिल चौधरी, रामकरन यादव, गोपाल श्रीवास्तव, सुग्रीव यादव, फूलचन्द पासवान, रामपाल सहित अन्य लोग मौजूद रहें।

सम्पादकीय

गरीब धर्मध्वजा से गदगद

किसी भी समय के मुकाबले इस समय श्धर्मो रक्षति रक्षितरूश यानी धर्म की रक्षा करो तो धर्म तुम्हारी रक्षा करेगा, का प्रचार हो रहा है। धर्म की रक्षा को सबसे बड़ा और सबसे जरूरी काम मान लिया गया है और देश के बहुसंख्यक लोग यह मानने लगे हैं कि धर्म की रक्षा में ही कल्याण है। सो, आधुनिक भारत के ...

पिछले आठ सालों में क्या हुआ? क्या कभी राजा के मुंह से यह वाक्य निकला कि गरीबी मिटा कर दम लूंगा? तभी गरीबों के, देश के उद्धारक नहीं बल्कि मंदिरों के उद्धारक का पर फोकस रहा है। इसलिए दस–बीस करोड हिंदुओं की गरीबी दूर की तो उतने वोट नहीं मिलेगी लेकिन पचास मंदिरों का उद्धार हुआ, गौमताओं को चारा–पानी मिला, दुश्मन को जंगल में हरा दिया तो भले देखा किसी न हो वोट मिलेगे थोक। हजार सालों में मंदिरों के विध्वंस में हिंदुओं की मनोदशा ऐसी बनी है कि मंदिर का बनना ही सबसे किमती उपलब्धि। गुजरे सप्ताह भारत के 140 करोड़ लोगों सहित दुनिया के 40 देशों के लोगों ने देखा कि कैसे प्रधानमंत्री ने 11 अक्टूबर को उज्जैन के महाकाल मंदिर के साढ़े आठ सौ करोड़ रुपए के पुनरूद्धार योजनाओं का लोकार्पण किया। उन्होंने महाकाल लोक देश को समर्पित किया। देश ने देखा कि कैसे प्रधानमंत्री नंदी के सामने बैठे हैं, कैसे शिवलिंग के सामने बैठ कर पूजा अर्चना कर रहे हैं और कैसे रुद्राक्ष के साथ ध्यान कर रहे हैं।

इसी मौके पर उन्होंने कहा कि यह कैसे हो सकता है कि महादेव बुलाएं और उनका यह बेटा न आए। सन् 1234 में इल्तुतमिश ने इस मंदिर पर हमला किया था। बाद में सिंधिया राजघराने ने इसका पुनर्निर्माण कराया था। इससे पहले मार्च 2019 में काशी कॉरिडोर के निर्माण का काम प्रधानमंत्री ने शुरू कराया। फरवरी 2022 के चुनाव से ठीक पहले दिसंबर 2021 में इसके पहले चरण के काम का लोकार्पण किया। उस समय सबने प्रधानमंत्री को गंगा में डुबकी लगाते और लोटे में जल लेकर रूद्राभिषेक के लिए मंदिर में जाते लाइव देखा। पूरी पूजा का लाइव प्रसारण हुआ। इस मंदिर पर औरंगजेब ने हमला किया था और इंदौर की अहिल्याबाई होल्कर ने इसका पुनर्निर्माण कराया था।

उससे पहले 2021 में प्रधानमंत्री ने सोमनाथ मंदिर से जुड़ी तीन परियोजनाओं का उद्घाटन किया। सबको पता है कि मोहम्मद गजनी ने सोमनाथ मंदिर पर कई बार हमला किया। प्रधानमंत्री मोदी ने अगस्त 2020 में अयोध्या में राम जन्मभूमि मंदिर का शिलान्यास किया। तब भी देश ने भक्त प्रधानमंत्री की लाइव पूजा अर्चना देखी थी। अयोध्या का मंदिर बाबर ने तोड़ा था। प्रधानमंत्री बनने के बाद सबसे पहले उन्होंने केदारनाथ के मंदिर के निर्माण के प्रोजेक्ट शुरू किए। 2013 में आई प्राकृतिक आपदा में मंदिर के आसपास और रास्तों में बड़ी तबाही हुई थी। उसका पूरा भव्य ढांचा नए सिरे से तैयार किया गया है। इसी तरह उत्तराखंड की चार धाम परियोजना हो या विदेशों में भव्य मंदिरों के उद्घाटन का कार्यक्रम हो, प्रधानमंत्री हर जगह मौजूद रहे।

दुनिया में माना जाता है कि धर्म इंसान की निजी आस्था का मामला है। ज्यादातर लोग पूजा निजी तौर पर ही करते हैं। लेकिन प्रधानमंत्री ने इसे सार्वजनिक और सरकारी आस्था का विषय बना दिया है। कहा जाता है कि राजा का कोई धर्म नहीं होता उसका सिर्फ श्राजध र्म्य होता है, जिसका पालन करने की सलाह एक बार अटल बिहारी वाजपेयी ने नरेंद्र मोदी को दी थी। लेकिन पिछले आठ सालों से क्या है? राजा राजधर्म की बजाय हिंदू धर्म की ध्वजा उठाए हुए है।

किसी भी समय के मुकाबले इस समय श्धर्मो रक्षति रक्षितरूश्य यानी धर्म की रक्षा करो तो धर्म तुम्हारी रक्षा करेगा, का प्रचार हो रहा है। धर्म की रक्षा को सबसे बड़ा और सबसे जरूरी काम मान लिया गया है और देश के बहुसंख्यक लोग यह मानने लगे हैं कि धर्म की रक्षा में ही कल्याण है। सो, आधुनिक भारत के मंदिर निजी हाथों में सौंपे जाने लगे हैं और सरकार धर्म की रक्षा में जुट गई है क्योंकि उससे वोट मिल रहे हैं और चुनाव जीतना आसान हो गया है।

वित्त मंत्री को कहां से आइडिया मिला?

भारत की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वाशिंगटन में एक प्रेस कांफ्रेंस में रुपए और डॉलर की कीमत को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में जो कहा, उसकी पूरी दुनिया में चर्चा हो रही है। भारत में तो उस बयान का जितना मजाक बना है, उतना हाल के दिन में किसी और बयान का सुनने को नहीं मिला। देश की वित्त मंत्री को भी इससे पहले कभी ऐसे ट्रोल होते नहीं देखा गया होगा। उन्होंने कहा कि रुपया कमजोर नहीं हो रहा है, बल्कि डॉलर मजबूत हो रहा है। सुब्रह्मण्यम स्वामी से लेकर सोशल मीडिया के आम यूजर तक ने इस बयान को लेकर बनाए गए मीम्स और मजाक शेयर किए। स्वामी ने तो उनसे इस बयान को लेकर जवाहर लाल नेहरू यूनिवर्सिटी पर भी तंज किया, जहां से वे पढ़ी हैं।

लेकिन सवाल है कि देश की वित्त मंत्री को इस तरह के बयान का आइडिया कहां से आया? वे सिर्फ इतना भी कह सकती थीं कि डॉलर के मुकाबले भले रुपया कमजोर हुआ है लेकिन दुनिया की दूसरी मुद्राओं के मुकाबले रुपए का प्रदर्शन अच्छा है। यह बात भी उन्होंने कही लेकिन साथ मजाक बनने वाली बात यह कह दी कि रुपया कमजोर नहीं हुआ है, बल्कि डॉलर मजबूत हुआ है। ऐसा लग रहा है कि यह कहने का आइडिया उनको प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिला क्योंकि कम से कम दो मौकों पर वे इस किस्म के बयान दे चुके हैं, जिनकी सोशल मीडिया में भी खूब चर्चा हुई है।

कोई दस साल पहले जब नरेंद्र मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री थे तब उन्होंने इस तरह का एक बयान दिया था। गुजरात में लड़कियों के कुपोषण का मामला सामने आया था, तब मोदी ने कहा था कि गुजरात की महिलाएं सुंदरता का ध्यान रखती हैं। उन्होंने कहा था कि गुजरात की लड़कियां मोटे होने के डर से दूध नहीं पीती हैं। उनमें स्वास्थ्य से ज्यादा सुंदरता की चाह है। यह संयोग है कि जिस दिन वित्त मंत्री ने रुपए और डॉलर वाला बयान दिया उसी दिन ग्लोबल हंगर इंडेक्स भी आया, जिसमें भारत की 107वीं रैंकिंग आई है। इस पर तंज करते हुए कई लोगों ने लिखा और कहा कि भारत में भूख और कुपोषण नहीं बढ़ा है, बल्कि व्रत और उपवास करने वालों की संख्या बढ़ गई है।

प्रधानमंत्री मोदी ने 2018 में अपने एक संबोधन में नौकरियों को लेकर भी इसी तरह की बात कही थी। उन्होंने कहा था कि नौकरियों की कमी नहीं है, बल्कि आंकड़ों की कमी है। यानी बेरोजगारी के आंकड़े गलत हैं। इससे पहले 2014 में प्रधानमंत्री मोदी ने एक कार्यक्रम में मिसाल देते हुए कहा था कि ठंड नहीं बढ़ी है, बल्कि हमारी ठंड सहने की क्षमता कम हो गई है। उसी तरह क्लाइमेट नहीं बदल रहा है, हम बदल रहे हैं। वित्त मंत्री का ताजा बयान इसी लाइन पर दिया गया लग रहा है।

सुप्रीम कोर्ट की पहल

महिलाओं के अधिकारों को मजबूती देती है । जो एक तरफ स्त्री की व्यक्तिगत स्वायत्तता को स्थापित करती है । वहीं उसको प्रजनन विकल्पों को चुनने की आजादी देती है । अदालत ने इस हक से लिव–इन रिलेशन में रहने वाली महिलाओं को भी अधिकार संपन्न बनाया है । अब वे गर्भावस्था के 24 सप्ताह तक सुरक्षित व कानूनी गर्भपात की हकदार हो सकेंगी । दरअसल, यूं तो देश में गर्भपात ...

अजय दीक्षित

भारत कानूनी रूप से महिला अधिकारों को लेकर दुनिया के तमाम देशों से आगे रहा है, जिसे समय समय पर आने वाले शीर्ष अदालत के फैसलों ने संबल दिया । एक हालिया फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने महिलाओं के अपने शरीर पर अधिकार की अवधारणा को एक बार फिर स्थापित ही किया है । निश्चय ही इस फैसले के आलोक में भविष्य में महिला अधिकारों को पुख्ता करने में मदद मिलेगी । दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने गर्भ का चिकित्सीय समापन यानि एमटीपी अधिनियम के तहत विवाहिताओं के साथ ही अविवाहित महिलाओं को गर्भावस्था के 24 माह तक सुरक्षित व कानूनी रूप से गर्भपात का अधिकार दिया है । कोर्ट की दलील थी कि महिलाओं के साथ विवाहित व अविवाहित होने के आधार पर किसी तरह का भेदभाव संवैधानिक रूप से तार्किक नहीं कहा जा सकता। वहीं इसके अलावा कोर्ट ने यह भी कहा कि बलात्कार के अपराध की व्याख्या में वैवाहिक बलात्कार को भी शामिल किया जाये जिससे एमटीपी अधिनियम का मकसद पूरा हो सके। दरअसल, बदलते वक्त के साथ भारतीय समाज में रिश्तों के स्वरूप में आ रहे बदलावों व महिला अधिकारों के विस्तार के नजरिये से कोर्ट ने अधिनियम के मकसद को परिभाषित किया है। निस्संदेह, जस्टिस डीवाई चंद्रचूड, जस्टिस जेबी पारदीवाला तथा जस्टिस एएस बोपन्ना की पीठ के

ताजा फैसले ने महिला सशक्तीकरण की अवधारणा को ही संबल दिया है । साथ हो स्पष्ट किया कि महिला के शरीर पर पहला हक स्त्री का है, जिसको विवाहित व अविवाहित होने के चलते किसी अधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता । उल्लेखनीय है कि एमटीपी अधिनियम के तहत गर्भपात के जिन नियमों का उल्लेख है शीर्ष अदालत ने उन्हें अधिक स्पष्टता दी है । जिसका संदेश यह भी कि नये दौर के भारत में स्त्री को अपनी देह से जुड़े फैसलों को लेने का पूरा हक है । वह बात अलग है कि देश के एक बड़े तबके में अभी यह प्रगतिशील सोच विकसित नहीं हो पायी है । निस्संदेह, पुरुष वर्चस्व वाले समाज में स्थितियां आज भी काफी जटिल हैं जिसके मूल में अशिक्षा व गरीबी की बड़ी भूमिका रही है । यह वजह है कि शीर्ष अदालत के तमाम प्रगतिशील फैसले व्यवहार में उतने प्रभावकारी नहीं हो पाते । यदि देश में पुख्ता कानून सामाजिक बदलाव के वाहक नहीं बनते तो उन्हें क्रियान्वित करने वाली एजेन्सियों की कारगुजारियों का मूल्यांकन करना समय की जरूरत है । साथ ही लोगों की सोच बदलने के लिये रचनात्मक पहल करने की जरूरत भी । जिससे महिलाओं से जुड़े कानूनों का वास्तविक लाभ उन्हें मिल सके । तभी महिलाओं की सुरक्षा को हकीकत बनाया जा सकेगा । उन्हें बताना होगा कि उनकी सहमति के विशिष्ट मायने हैं ताकि वे किसी भी तरह की ज्यादती का प्रतिरोध कर सकें । उल्लेखनीय है कि शीर्ष अदालत का हालिया फैसला एक पच्चीस वर्षीय अविवाहिता की याचिका पर आया, जिसे उच्च न्यायालय में याचिका दायर करने पर राहत नहीं मिल सकी थी । जिसके बाद वह शीर्ष अदालत पहुंची, इस मामले के आलोक में कोर्ट की नयी व्याख्या सामने आई । जिसके बारे में तीन सदस्यीय पीठ की स्पष्ट राय थी कि किसी महिला को यह अधिकार न देना उसकी अस्मिता से खिलवाड़ ही है । निस्संदेह, जब अमेरिका समेत तमाम विकसित देशों में भी महिलाओं को गर्भपात से जुड़े पर्याप्त अधिकार नहीं मिल पाये हैं, भारतीय न्यायिक व्यवस्था की प्रगतिशीलता हमें शेष दुनिया से आगे रखती है । दुनिया में सौ देश भी ऐसे नहीं हैं जहां गर्भपात को लेकर स्पष्ट कानूनी दृष्टि हो । ऐसे में शीर्ष अदालत की हालिया व्याख्या महिलाओं के अधिकारों को मजबूती देती है । जो एक तरफ स्त्री की व्यक्तिगत स्वायत्तता को स्थापित करती है । वहीं उसको प्रजनन विकल्पों को चुनने की आजादी देती है । अदालत ने इस हक से लिव–इन रिलेशन में रहने वाली महिलाओं को भी अधिकार संपन्न बनाया है । अब वे गर्भावस्था के 24 सप्ताह तक सुरक्षित व कानूनी गर्भपात की हकदार हो सकेंगी । दरअसल, यूं तो देश में गर्भपात श्कानून पिछले पांच दशक से प्रभावी हैं लेकिन लड़के की प्राथमिकता और कन्या भ्रूण के गर्भपात के मद्देनजर गर्भावस्था को समाप्त करने के कानूनों में कुछ कड़े प्रावधानों को शामिल किया गया था ।

अस्पृश्यता से मुक्ति की बजाय एससी क्यों बनना चाहते हैं मुस्लिम और ईसाई?

इसके अलावा यूपीए सरकार ने मार्च 2005 में मुस्लिम के सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक स्थितियों का अध्ययन करने के लिए दिल्ली उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश राजिंदर सच्चर की अध्यक्षता में एक कमेटी का गठन किया। सच्चर कमेटी के नाम से प्रसिद्ध इस कमेटी ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि धर्मांतरण के बाद दलित मुसलमानों की सामाजिक और आर्थिक स्थिति में सुधार नहीं हुआ। जस्टिस...

अशोक भारती

मुस्लिम और ईसाइयों का प्रमुख सवाल अनुसूचित जातियों में शामिल होने का है। इसलिए यह समझना जरूरी है, कि अनुसूचित जातियां या इससे संबंधित शब्दावली की शुरुआत कैसे हुई। भारत को उत्तरदायी शासन सौंपने के लिए ब्रिटेन में तीन गोलमेज सम्मेलन हुए। इन सम्मेलनों में डॉक्टर अंबेडकर के प्रयासों के चलते ब्रिटिश सरकार ने भारत के श्बहिष्कृत और अस्पृश्यश के लिए 1932 में पृथक निर्वाचन की घोषणा की। कई दशकों से मुस्लिम और ईसाई संगठन मांग कर रहे हैं कि उन्हें भी अनुसूचित जातियों में शामिल किया जाए। अभी तक केवल हिन्दू, सिख और नव–बौद्धों के अस्पृश्य एवं बहिष्कृत वर्गों (जातियों) को ही संवैधानिक (अनुसूचित जाति) आदेश, 1950 के तहत अनुसूचित जाति के तौर पर अनुसूचित किया गया है। इसी बात को लेकर मुस्लिम और ईसाई संगठनों का कहना है कि संविधान के अनुच्छेद 341 में किसी भी धर्म विशेष का जिक्र नहीं है, इसलिए राष्ट्रपति द्वारा अनुसूचित जाति संबंधी 1950, 1956 और 1990 में दिए गए आदेश संविधान में अनुच्छेद 14 में दिए गए समता, अनुच्छेद–15 के केवल धर्म, नस्ल, जाति, लिंग या भाषा के आधार पर भेदभाव के अधिकार और अनुच्छेद–25 के धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार का उल्लंघन करते हैं। ज्ञातव्य है कि ईसाई और इस्लाम दोनों ने हमेशा ही खुद को अस्पृश्यता–मुक्त बताया है और दोनों ही अपने–अपने धर्मों में अस्पृश्यता नकारते रहे हैं। ऐसे में सर्वोच्च न्यायालय में पेश गाजी सादुद्दीन बनाम स्टेट ऑफ महाराष्ट्र एवं अन्य की दीवानी अपील और जनहित याचिका के जरिए मुस्लिम और ईसाई संगठन क्या साबित करना चाहते हैं? वैश्विक स्तर पर संगठित और संस्थागत तौर पर सशक्त मुस्लिम और ईसाई समाज आखिर समाज के सबसे कमजोर तबके में क्यों शामिल होना चाहते हैं? इन्हीं सवालों को केंद्र मे रखकर भारत सरकार ने भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश (सेवानिवृत्त) न्यायमूर्ति के जी बालकृष्णन की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय आयोग नियुक्त किया है। यह आयोग उन लोगों के अनुसूचित जातियों में शामिल होने के दावे पर विचार करेगा, जो धर्मांतरण कर मुस्लिम या ईसाई बन गए और ऐतिहासिक रूप से अनुसूचित जाति के होने का दावा करते हैं।

अनुसूचित जातियां कहां से आईं?

मुस्लिम और ईसाइयों का प्रमुख सवाल अनुसूचित जातियों में शामिल होने का है। इसलिए यह समझना जरूरी है, कि अनुसूचित जातियां या इससे संबंधित शब्दावली की शुरुआत कैसे हुई। भारत को उत्तरदायी शासन सौंपने के लिए ब्रिटेन में तीन गोलमेज सम्मेलन हुए। इन सम्मेलनों में डॉक्टर अंबेडकर के प्रयासों के चलते ब्रिटिश सरकार ने भारत के श्बहिष्कृत और अस्पृश्यश के लिए 1932 में पृथक निर्वाचन की घोषणा की। इसके तुरंत बाद गांधीजी ने इसके खिलाफ आमरण अनशन कर दिया। इस अनशन की परिणति गांधीजी के नेतृत्व में हिन्दू समाज और डॉक्टर अंबेडकर के नेतृत्व में अस्पृश्य समाज के बीच पूना पैक्ट हुआ। इसी पूना पैक्ट के बाद ब्रिटिश संसद ने गवर्नमेंट ऑफ इंडिया एक्ट 1935 पारित किया, जिसमें दलित वर्गों के लिए सीटों का आरक्षण शामिल किया गया, जिसे 1937 में लागू किया गया। शैड्यूल्ड कास्टस (अनुसूचित जातियों) को इसी एक्ट में सर्वप्रथम परिभाषित किया गया। इस संबंध में ब्रिटिश भारत सरकार (अनुसूचित जाति) आदेश, 1936 में ब्रिटिश–प्रशासित प्रांतों में जातियों का एक शैड्यूल (या अनुसूची) शामिल थी। इस शैड्यूल (अनुसूची) में होने की वजह से ही श्अस्पृश्य और बहिष्कृत जातियोंश का नाम अनुसूचित जातियां पड़ा। स्वतंत्रता के बाद संविधान सभा ने अनुसूचित जातियों की प्रचलित परिभाषा को जारी रखा, और राष्ट्रपति ने अनुच्छेद–341 के तहत कान्स्टिट्यूशन (शैड्यूल्ड कास्ट) आदेश, 1950 में जातियों का एक शैड्यूल या लिस्ट जारी किया। 1956 में राज्यों के पुनर्गठन के बाद इसे कान्स्टिट्यूशन (शैड्यूल्ड कास्ट) आदेश, 1956 और वर्ष 1990 में श्अस्पृश्य और बहिष्कृतश नव–बौद्धों को भी शामिल करने के लिए 1990 का आदेश जारी किया गया। केन्द्रीय सरकार ने संशोधित आदेश में स्पष्ट किया कि श्कोई भी व्यक्ति को, जो हिंदू, सिख या बौद्धधर्म को छोड़ अन्य किसी धर्म को मानता है, वह अनुसूचित जाति का सदस्य नहीं माना जाएगा।श सरकार का यह आदेश संविधान के अनुच्छेद–25 के अनुरूप है, जिसमें सिख, बौद्ध और जैन को हिंदुओं की बृहत्तर परिभाषा में रखा गया है। केन्द्रीय सरकार की कार्यवाही कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए की सरकार ने मार्च 2005 में पूर्व मुख्य न्यायधीश न्यायमूर्ति रंगनाथ मिश्र की अध्यक्षता में श्राष्ट्रीय धार्मिक और भाषाई अल्पसंख्यक आयोगश का गठन किया। इस आयोग को श्आरक्षण के संबंध में 50 प्रतिशत की अधिकतम सीमा तथा साथ ही अनुसूचित जातियों की सूची में शामिल किए जाने की रीतियों के संदर्भ में संवैधानिक (अनुसूचित जाति) आदेश 1950 के पैरा 3 से संबंधित उच्चतम न्यायालय तथा कतिपय उच्च न्यायालयों में दायर की गई रिट याचिकाओं में उठाए गए मुद्दों के संबंध में सिफारिशें प्रस्तुत करनाश था। न्यायमूर्ति रंगनाथ मिश्र आयोग की रिपोर्ट को 18 दिसंबर 2009 को संसद के दोनों सदनों में पेश किया गया, जहां विचार–विमर्श के बाद उसकी सिफारिशों को स्वीकार नहीं किया। इसके अलावा यूपीए सरकार ने मार्च 2005 में मुस्लिम के सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक स्थितियों का अध्ययन करने के लिए दिल्ली उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश राजिंदर सच्चर की अध्यक्षता में एक कमेटी का गठन किया। सच्चर कमेटी के नाम से प्रसिद्ध इस कमेटी ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि धर्मांतरण के बाद दलित मुसलमानों की सामाजिक और आर्थिक स्थिति में सुधार नहीं हुआ। जस्टिस मिश्र आयोग और जस्टिस सच्चर कमेटी रिपोर्टों ने अलग–अलग तरीके से ईसाई और मुस्लिम धर्मों की श्अस्पृश्य और बहिष्कृत जातियोंश को अनुसूचित जातियों में शामिल करने की पैरवी की। जस्टिस मिश्र आयोग ने अपनी रिपोर्ट में यह भी कहा है कि श्अन्य पिछड़ा वर्ग की राज्यवार तैयार सूची में धर्म और जाति निरपेक्ष अल्पसंख्यक समुदाय शामिल किए गए थे। कई राज्यों में नव–बौद्ध, ईसाइयत और इस्लाम में परिवर्तित अनुसूचित जातियों को इन सूचियों मे शामिल किया गया। इसलिए महत्वपूर्ण सवाल यह है कि जब अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) में दलित–मूल के ईसाई और मुस्लिम को पहले से ही सरकारी सेवा और शिक्षा में ओबीसी के तहत आरक्षण प्राप्त है, तो उनका इस पीआईएल की मार्फत सर्वोच्च न्यायालय से अनुसूचित जातियों में शामिल किए जाने के क्या कुछ और भी निहितार्थ हैं? इन्हीं सवालों के जवाब नवगठित न्यायमूर्ति के. जी. बालाकृष्णन आयोग को खोजना है।

(लेखक नेशनल कोन्फेडेरेशन ऑफ दलित एंड आदिवासी ओर्गेनाईजेशन्स (नैकडोर) के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं।)

विश्व सेवा संघ के नेतृत्व में प्राकृतिक खेती पर किसानों को किया गया जागरूक

दैनिक बुद्ध का संदेश

तुलसियापुर/सिद्धार्थनगर। बढनी के तुलसियापुर चौराहा पर किसानों का गोष्ठी आयोजन किया गया जिसमें किसानों को काला नमक ध ाान व चावल और प्राकृतिक खेती पर जागरूक किया गया। मौजूद किसानों ने अपना विचार व्यक्त किया। किसानों को संबोधित करते हुए सबल संस्थान के सचिव ने कहा निरंतर कम हो रही मिट्टी की उर्वरता और अध िाक उत्पदान के दबाव का हल प्राकृतिक खेती में है। किसानों को रसायनिक खाद और कीटनाशकों से हटकर प्राकृतिक खेती की ओर लौटना होगा। इससे फसल लागत न्यूनतम होगी और किसानों का मुनाफा बढ़ेगा। फसल विविधि ाकरण के साथ किसानों को तकनीक को अपनाना पड़ेगा। किसान एक देशी गाय से घर पर दवा, खाद, टॉनिक बनाकर प्राकृतिक खेती कर सकता है। बस उसे जागरूक होने की जरूरत है। जीवामृत, बीजामृत घनजीवामृत, दशपर्णी अर्क, निमास्त्र, ब्रह्मस्त्र, अग्निहस्रा आदि बनाना सिखाया जाता है। विश्व सेवा संघ अध्यक्ष सुनील केसी ने कहा प्रदेश में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। कैबिनेट ने उप्र प्राकृतिक खेती बोर्ड के गठन को मंजूरी दे दी है। विभिन्न राज्यों में गठित प्राकृतिक खेती बोर्ड का अध्ययन कर यह प्रस्ताव तैयार किया गया था। हर जनपद में प्राकृतिक किसानों की टीम गठन होगा जिसमें शासन, प्रशासन और प्राकृतिक किसान होंगे। वर्तमान में रासायनिक खेती से मानव स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ा है जिस कारण बीमारी, गरीबी बढ़ी है और प्रकृति विनाश की तरफ मानव जाति बढ़ा है। हम सबको प्राकृतिक खेती पर विशेष ध्यान देना होगा। अपना जनपद काला नमक ध ाान के लिए ओ डी ओ पी में चयन हुआ है। आज इसकी पहचान देश विदेश सबसे ज्यादा होने के नाते मांग बढ़ी है। ऐसे इसकी गुणवत्ता बनाये रखने के लिए प्राकृतिक खेती अनिवार्य है। सिद्धार्थनगर जनपद का काला नमक चावल सुंगध,पोषकयुक्त तत्व और औषधि के लिए जाना जाता है। इस जिला में जो भी किसान काला नमक खेती कर रहे हैं या करना चाहते हैं उन्हें गौ आधारित प्राकृतिक खेती की जानकारी होना बहुत आवश्यक है। हम सब निःशुक प्रशिक्षण किसानों दे रहे हैं। इस दौरान मिथलेश सैनी, होलीप्रसाद, रमजान, पंकज यादव, रामनरेश चौधरी, घनश्याम गुप्ता, चूल्हई, भूलई आदि किसान मौजूद रहे।

पंचायत भवन में लगा ताला, झोले में गांव की पंचायत

पंकज चौबे/दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। गांव के लोगों को आय, जाति या अन्य प्रमाणपत्र बनवाने के लिए तहसील या ब्लॉक का चक्कर न लगाना पड़े, इसके लिए शासन ने हर ग्राम पंचायत में पंचायत भवन का निर्माण कराया है। प्रति पंचायत भवन पर 12 से 18 लाख रुपये खर्च किए गए हैं। पंचायत सहायक भी नियुक्त किए गए हैं लेकिन इसका लाभ आम लोगों को नहीं मिल रहा है। हालत यह है कि अधिकतर पंचायत भवनों पर ताले लटक रहे हैं। ग्राम प्रधान अपने साथ झोले में मुहर और अन्य कागजात रखते हैं और जरूरत पड़ने पर किसी प्रमाणपत्र जारी कर देते हैं। सरकार की मंशा पंचायत भवन को मिनी सचिवालय के रूप में विकसित करना है, जहां ग्रामीणों की फरियाद सुनकर उनकी समस्याएं दूर की जा सकें। ग्राम पंचायत के कार्यों को आसान बनाने के लिए पंचायत सहायकों की नियुक्ति भी की गई। इसके बाद भी पंचायत भवनों की स्थिति यथावत ही है। हिन्दी दैनिक बुद्ध का सन्देश की टीम ने बढ़नी ब्लॉक के रेडवरिया, मानपुर, रोइनिहवा, अहिरौला, गणेशपुर, आदि ग्राम पंचायतो की पड़ताल की तो चौंकाने वाली सच्चाई सामने आई। जहां से विकास विभाग की योजनाएं चलती हैं वहीं के पंचायत भवनों में ताला लटकता मिला। वहां के ग्राम प्रधानों से जब इसके बारे में पूछा गया तो पहले तो इधर–उधर की बात करके मामले को टालने की कोशिश की। स्थिति यह है कि ग्राम प्रधान मुहर और कागजात अपने साथ झोले में लिए घूमते हैं या घर बैठ कर काम करते हैं। जरूरत पड़ने पर किसी के कागजात को प्रमाणित करते हैं या प्रमाणपत्र जारी करते हैं। एक तरह से गांव की सरकार पंचायत भवन में नहीं बल्कि झोले में है। ऐसी स्थिति 80 फीसदी ग्राम पंचायतों की है। जबकि गांव की सरकार झोले में है। ग्राम पंचायत रेडवरिया में बने पंचायत भवन में ताला बंद मिला। वहां के प्रधान मोहम्मद मुस्तफा के मोबाइल 9450113903 पर कई बार काल करने के बाद भी फोन नही रिसीब हुआ,वही जब वहा के पंचायत सहायक से उनके मोबाइल पर बात की गई तो उन्होंने बताया कि कंप्यूटर प्रधान के घर पर है अभी सिर्फ वित्त से कराए गए कार्य का भुगतान किया जा रहा है जो सचिव आकार कर देते है।

दिव्यांगजन पेंशन धारी अपना केवाईसी कराएं,रुका हुआ पेंशन पाएं–एजाजूल हक

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। दिव्यांग पेंशन, दिव्यांग पेंशन सशक्तीकरण विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा संचालित योजना का लाभ जनपद सिद्धार्थनगर मे वित्तीय वर्ष 2022–2023 के तहत दिव्यांग पेंशनर लाभार्थियो की संख्या लगभग 13403 हैं। जिसमे से अब तक 9720 दिव्यांग लाभार्थियों का ही केवाइसी आधार प्रमाणी करण हो चुका है। जिसमे से 8322 दिव्यांग जनों उनके अपने खाते मे पेंशन जा चुका है। शेष 5081 पेंशन धारियों का आधार परमाणीकरण न होने के करण पेंशन् सरकार द्वारा रोकी गई है उक्त की जानकारी बुद्धवार को प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से एजाजुलहक खान जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधि ाकारी ने दी है।

उन्होंने बताया कि ऐसे सभी दिव्याग्जन पेंशनधारी जितना जल्दी केवाइसी कराएंगे उतना ही जल्दी पेंशन सरकार द्वारा उनके खाते मे जाएगा। इसी क्रम् मे खान् ने बताया की केवाइसी लिए पेंशनर अपना आध ाार, बैंक खाता, और मोबइल नंबर जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी के मोबाइल नंबर–8090120100 पर सेंड कर दे या दफ्तर मे जमा कर दे। जिससे उनकी पेंशन जारी करने मे आसानी हो सके।

- **जनपद मे कुल दिव्यांग पेंशनर लाभर्थियो की संख्या लगभग 13403 है**
- **5081 पेंशन धारियों का आधार प्रमाणीकरण न होने के करण पेंशन् सरकार द्वारा रोक दी गई है**

राष्ट्रीय सेवा योजना,स्वच्छता जागरूकता रैली का किया गया आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु सिद्धार्थनगर की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के द्वारा स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत स्वच्छता जागरूकता रैली का आयोजन किया गया यह रैली सिद्धार्थ विश्वविद्यालय से प्रारंभ होकर बिहारी गांव में पूरा हुआ इस जागरूकता अभियान के अंतर्गत बिहारी गांव के प्रत्येक परिवार तक पहुंच कर राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाएं स्वच्छता के फायदे और नुकसान को बताया सभी विद्यार्थियों ने बिहारी गांव में प्रत्येक परिवार के बीच बैठकर स्वच्छता से संबंधित हालात जाना और उनके साथ बैठकर स्वच्छता की विधि बताई इस कार्यक्रम का नेतृत्व राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ दिनेश प्रसाद ने किया और राष्ट्रीय सेवा योजना के सभी विद्यार्थियों ने इस अभियान में प्रतिभाग किया।

सांसद जगदम्बिकापाल ने बढनी ब्लॉक के बाढ़ प्रभावित गांवो में बाढ़ राहत किट बाटा

दैनिक बुद्ध का संदेश

तुलसियापुर/सिद्धार्थनगर। भयंकर बाढ़ के कारण कई गांव में खाने पीने की समस्या होने लगी है। इस समय हर कोई अपनी अपनी विवेकानुसार सहायता कर कर रहे हैं। इसी कड़ी में डुमरियागंज संसदीय क्षेत्र शोहरतगढ़ मे तुलसियापुर चौराहा क्षेत्र मटियार उर्फ भूतहवा सहित तमाम गाँवों मे बाढ़ मे फसे लोगों को सांसद जगदम्बिकापाल ने बाढ़ राहत सामग्री वितरण किया और लोगों को दुःख जाना। समस्या से संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि इन्हें किसी भी समस्या न हो। सांसद जगदम्बिकापाल ने कहा कि ग्राम मटियार, भुतहवां, भुतहिया में बाढ़पीड़ितों के बीच सेवा भाव से पहुँच कर संगठन और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मंशा के अनुरूप जनता में बाढ़ राहत किट बाँट कर उनके दुखदर्द को कम करने का निरंतर प्रयास कर रहा हूँ और लोगों को इस विषम परिस्थिति मे साडीघ, लंच पैकेट माचिस, मोमबत्ती, पानी का बोतल सहित कुछ और अन्य राहत सामग्री वितरण किया जिससे लोगों को इस बाढ़ की विभिष्का से निपटने के लिए साहस और हिम्मत मिल सके।

46 पेटी नेपाली पेस्ट के साथ दो गिरफ्तार, पिकप सीज

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। नेपाल सीमा क्षेत्र के गौरी गांव के पास कोतवाली पुलिस ने गस्त के दौरान एक पिकप पर लदी 46 पेटी नेपाली क्लोजअप बरामद किया है। प्रभारी सूर्यप्रकाश सिंह हमराहियों संघ रात्रि गस्त पर निकले कि, बार्डर क्षेत्र के गौरी बजहा ताल पर नेपाल की तरफ से पिकप आती दिखी रोककर तलाशी जामा में 6624 पीस क्लोजप बरामद हुआ। पुलिस ने माल सहित पिकप को थाने लाकर सीज कर विधिक कार्यवाही करते हुए कस्टम कार्यलय ककरहवा के सुपुर्द किया गया। गिरफ्तार युवक की पहचान शिवपूजन गुप्ता सेमिरियांव थाना चिल्हिया, दिलीप कुमार अग्रहरी वार्ड नं0 10 सरदार नगर थाना उस्का के रूप में हुई। गिरफ्तारी टीम में उप निरीक्षक किशोरी लाल, नंदलाल यादव, संदीप कुमार, प्रमोद कुमार, रविकांत शामिल रहे।

कोतवाली पुलिस ने 200 पैकेट नेपाली सिगरेट किया बरामद

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। कोतवाली पुलिस में दो सौ पीस नेपाली सिगरेट बरामद किया है। सीमा से सटे ठकुरापुर गांव के पास नेपाल की तरफ से मोटरसाइकिल से एक युवक बार्डर पार कर रहा था, पुलिस को देखते ही मोटरसाइकिल छोड़ नेपाल की तरफ भाग गया। बरामद सामान को कस्टम ककरहवा भेज दिया गया। बरामदगी में सिपाही शिब्बन लाल, संदीप यादव शामिल रहे।

सौहार्द, एकता ,प्रेम व कर्तव्य निष्ठा के भावों का होगा विकास:जगदंबिका पाल

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। शिक्षा के साथ–साथ खेलकूद भी जीवन में बहुत आवश्यक है क्योंकि खेल से ही छात्रों के चरित्र का निर्माण होता है। खेल मैदान चरित्र निर्माण की पाठशाला होती है और चरित्र निर्माण से ही आदर्श नागरिक का निर्माण होता है आदर्श नागरिक ही देश की ध ारोहर है । उक्त बातें प्रान्तीय संगठन मंत्री रामय ने कही। वह विद्या भारती शिशु शिक्षा समिति गोरक्ष प्रांत द्वारा रघुवर प्रसाद जायसवाल सरस्वती शिशु मंदिर इंटर कॉलेज तेतरी बाजार में आयोजित प्रांतीय खेलकूद समारोह के बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। आगे उन्होंने कहा विद्या भारती शिक्षा के क्षेत्र में संचालित देश का एक बड़ा शैक्षिक संगठन है जो शिक्षा को परंपराओं से जोड़ने का काम कर रही है यह हम सब के लिए गौरव का विषय है। अपने अध यक्षीय उद्बोधन में सांसद जगदंबिका पाल ने कहा विद्या भारती के विद्यालय केवल शैक्षणिक ही नहीं बल्कि सांस्कृतिक एवं खेलकूद के क्षेत्र में भी देश में अग्रणी शिक्षण संस्थान है। खेल के मैदान में बच्चों के स्वास्थ्य के साथ ही उनके बीच परस्पर सहयोग, सौहार्द, एकता ,प्रेम व कर्तव्य निष्ठा के भावों का विकास होता है। अतिथियों का परिचय विद्यालय के प्रधानाचार्य राकेश मणि त्रिपाठी ने कराया। उक्त अवसर पर शिशु शिक्षा समिति के प्रांतीय मंत्री रामनाथ गुप्ता, विद्यालय के प्रबंधक हरे कृष्ण सिंह, प्रान्तीय शारीरिक प्रमुख राकेश अग्रहरी, प्रबंध समिति सदस्य विपुल कुमार सिंह, मदन सिंह समेत 10 जनपद बलिया, मऊ, आर्यमगढ़ ,देवरिया कुशीनगर, बस्ती, संत कबीर नगर, गोरखपुर ,सिद्धार्थनगर तथा महाराजगंज के लगभग 750 छात्र–छात्राओं उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

संसाधन केन्द्र लोटन पर क्विज प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। राष्ट्रीय अविष्कार अभियान के अन्तर्गत कक्षा 6–8 के बच्चों के क्विज प्रतियोगिता का आयोजन बी आर सी लोटन पर खण्ड शिक्षा अधिकारी अशोक कुमार सिंह की अध्यक्षता में किया गया। कक्षा 6 से कक्षा 8 के कुल 140 बच्चों ने प्रतिभाग किया। जिसमें से 10 श्रेष्ठ बच्चों का चयन किया गया। क्विज में राज्य पुरस्कार प्राप्त शिक्षक दयाशंकर पाण्डेय के विद्यालय से सबसे ज्यादा 05 बच्चे चयनित हुए। कक्षा 6 से अंश मणि त्रिपाठी कम्पोजिट विद्यालय भेलौजी बुजुर्ग,विनय कम्पोजिट विद्यालय लोटन कक्षा 7 से प्रियांशु कम्पोजिट विद्यालय परसौना, अमन कान्दू उच्च प्राथमिक विद्यालय पननी कक्षा 8 से नितेश, रमा मौर्या, अनूप आकाश त्रिपाठी उच्च प्राथमिक विद्यालय पननी, पुनीता उच्च प्राथमिक विद्यालय नेतवर, सूरज गुप्ता कम्पोजिट विद्यालय महदेइया चयनित हुये। इन बच्चों को खण्ड शिक्षा अधिकारी द्वारा प्रमाण पत्र, मोमन्टो और नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम ए आर पी कुमार शिवम और ए आर पी पशुपति नाथ दूबे की देखरेख में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में ए आर पी राम प्रवेश यादव, शैलबाला और सूरज मिश्रा, हिमांशु राय, बाल गोविन्द पटेल, दीपक कुमार, फरहा जाहिद, वर्तिका राव, राम मूरत प्रसाद, विनय कुमार बाबूराम, रश्मि तिवारी, मोहन, जितेन्द्र कुमार आदि की उपस्थिति रही।

डुमरियागंज पुलिस ने बाटीं बाढ़ पीड़ितों में राहत सामग्री

दैनिक बुद्ध का संदेश

डुमरियागंज/सिद्धार्थनगर। जिले के तमाम अधिकारी पिछले सात दिनों से ही बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का सघन दौरा कर राहत एवं बचाव कार्य का जायजा लें रहें हैं। जिसको लेकर डुमरियागंज कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार मिश्र ने अपने सहयोगी पुलिस बल के साथ भरवटिया मुस्तहकम, बिजुवार बढ़ ई,खुरपहवा गांव के बाढ़ पीड़ितों में पहुंचकर उनका हालचाल जाना। उसके उपरांत बाढ़ पीड़ितों में आवश्यक राहत सामग्री वितरण किया। उन्होने कहा कि किसी भी बाढ़ पीड़ित या उनके परिवारों को कोई दिक्कत न होने पावे इसके लिए राहत और बचाव कार्य मे लगे अधि ाकारीगण विशेष ध्यान रखें। राहत शिविरों में उनके भोजन की समय समय पर व्यवस्था दुरुस्त रखी जाय।लोग स्वयं के बचाव के लिए सर्पदंश को लेकर जागरूक रहने की आवश्यकता है। क्योंकि सर्पदंश काफी बढ़ें हुए हैं। बाढ़ पीड़ितों उनके परिवार के स्वास्थ्य की देखभाल हेतु मुकम्मल व्यवस्था निरन्तर बनाये रखने हेतु सुझाव भी दिया। इस दौरान यस आई रामबचन शर्मा तेज बहादुर यादव अवध ा बिहारी सिंह धार नाथ यादव राहत सामग्री वितरण में शामिल रहे।

पत्नी की हत्या में पति को आजीवन कारावास

देवरिया। हत्या के मामले में एडीजे फास्ट ट्रैक संजय सिंह की अदालत ने पत्नी की हत्या की सुनवाई करते हुए पति को आजीवन कारावास तथा दस हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। सहायक शासकीय अधिवक्ता फौजदारी राजेश कुमार शुक्ल ने बताया कि कोतवाली थाना क्षेत्र के परसिया बैतालपुर निवासी सत्तार की पुत्री सफीना की शादी रुद्रपुर थाना क्षेत्र के सोनू सिद्दीकी के साथ दो अक्तूबर 2016 को हुई। सफीना के ससुराल पहुंचने के बाद ही सोनू सिद्दीकी व उनके परिवार के लोग एक लाख रुपये नकद तथा मोटरसाइकिल दहेज में मांगने लगे। इसकी सूचना सफीना ने अपने माता–पिता को दी। सफीना के माता–पिता ने सोनू तथा इसके परिवार के लोगों को बहुत समझाया, लेकिन उन्होंने एक नहीं सुनी। दहेज में मोटरसाइकिल और एक लाख रुपये न मिलने के कारण 14 नवंबर 2021 को सफीना की मारपीट कर हत्या कर दी। सफीना की माता आतरोना निशा सफीना की ससुराल पहुंच गई और रुद्रपुर थाने में सफीना के पति सोनू सिद्दीकी तथा सास कमरुन निशा के खिलाफ दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज कराई। मामले की सुनवाई करते हुए एडीजे फास्ट ट्रैक संजय सिंह की अदालत ने सफीना के पति सोनू सिद्दीकी को हत्या का दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास तथा दस हजार रुपये का अर्थदंड की सजा सुनाई। सास कमरून निशा को साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया तथा अर्थदंड की धनराशि सफीना के एकमात्र पुत्र आसिफ को देने का आदेश पारित किया।

रोहिन में चार लाख मछली के बीज डाले गए

महराजगंज। प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत राष्ट्रीय मत्स्य विकास बोर्ड हैदराबाद द्वारा मत्स्य पालन को बढ़ावा एवं संरक्षण के उद्देश्य से रिवर रैंचिंग कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इसके तहत रोहिन नदी में चार लाख मछली के बीज छोड़े गए । मुख्य अतिथि सदर विधायक जय मंगल कन्नौजिया ने मछली के बीज को नदी में छोड़ा। कहा कि नदी के जल को शुद्ध और निर्मल करने के साथ नाइट्रोजन युक्त प्रदूषण को कम करने के उद्देश्य से मत्स्य विभाग की तरफ से रिवर रैचिंग प्रोग्राम शुरू क्रिया गया है। जिसके तहत रोहिन नदी में चार लाख मछलियां रोहिन नदी में डाली गईं। उप मत्स्य निदेशक बृजेश कुमार ने कहा कि योजना का उद्देश्य है कि मात्स्यिकी क्षमता बढ़ाना है। मछुओं एवं मत्स्य पालकों की आय दुगुना करना और रोजगार सृजन, निर्यात में मात्स्यिकी गतिविधियों की हिस्सेदारी बढ़ाना है। इस अवसर पर सहायक मत्स्य निदेशक आशीष मौर्य ने लाभार्थियों को योजना की जानकारी दी। इस अवसर पर निषाद पार्टी के जिलाध्यक्ष रामनाथ निषाद, जिला पंचायत सदस्य लाल बहादुर निषाद, बाबू लाल निषाद, मंडल प्रभारी निषाद पार्टी ईश्वर चंद्र, ओम प्रकाश पटेल, वीरेंद्र लोहिया आदि मौजूद रहे।

विज्ञान प्रश्नोत्तरी स्पर्धा में महिमा, नैतिक व सूरज को पहला स्थान

महराजगंज। राष्ट्रीय अविष्कार अभियान के तहत विज्ञान प्रश्नोत्तरी स्पर्धा का सदर ब्लॉक संसाधन केंद्र में आयोजन हुआ। इसमें जूनियर वर्ग के प्रत्येक कक्षाओं में पहला स्थान प्राप्त करने वाली महिमा, नैतिक व सूरज को पुरस्कृत किया गया। ब्लॉक स्तरीय विज्ञान प्रश्नोत्तरी स्पर्धा में कुल 145 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। कक्षा छह में महिमा ने पहला, काजल ने दूसरा व सोनम साहनी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। कक्षा सात में नैतिक राव ने पहला, अमृता कसाधन ने दूसरा व जास्मीनी गौतम ने तीसरा तथा कक्षा आठ में सूरज को पहला, कृष्णा यादव को दूसरा तथा संजय कन्नौजिया को तीसरा स्थान मिला। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावियों को पुरस्कृत करते हुए डायट की प्रवक्ता पूजा चौधरी ने कहा कि मेधावी बच्चों ने पुरस्कार जीतकर अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित किया है। खंड शिक्षा अधिकारी चंद्रभूषण पांडेय ने कहा कि परिषदीय प्रतिभागियों ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर यह बताया कि वे भी किसी से कम नहीं है। अन्य विद्यार्थी भी उनसे प्रेरणा लेते हुए कार्य करें। इस दौरान वेदप्रकाश प्रजापति, रामसमुझ जायसवाल, वृंदावन चौहान, लाल अंबुज मणि पांडेय, बलवंत पटेल आदि शिक्षक मौजूद रहे।

कबड्डी प्रतियोगिता में विभिन्न टीमों ने किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

लक्ष्मीपुर। लक्ष्मीपुर क्षेत्र के ग्राम पंचायत पैसिया ललाइन में जनपदीय कबड्डी प्रतियोगिता के तीसरे दिन कई टीमों ने प्रतिभाग किया तथा उत्कृष्ट खेल दिखाते हुए अगले दौर के मुकाबले के लिए स्थान सुरक्षित किया। लीग मैच में मोहम्मदपुर की टीम ने मल्हनी फुलवरिया की टीम को 34–18 से, कबिलासपुर ने कुर्थिया बी को 28–15 से, हसनपुर ने सेमरा महराज को 25–10 से, देवरिया ने पैसिया ललाइन को 20–16 से, बुलंदशहर ने आजमगढ़ को 24–21 से तथा लक्ष्मीपुर ने पटखौली 32 –15 से हराया। आयोजक कन्हैया गुप्ता ने बताया कि लीग मैच में अधिक टीमों के आने के कारण सेमीफाइनल व फाइनल मैच व पुरस्कार वितरण कार्यक्रम बुधवार को होगा। इस दौरान परवेज अहमद, कन्हैया गुप्ता, अब्दुल सलाम, सद्दाम हुसैन, सिराजुद्दीन, रहमत हुसैन, मेहंदी हसन, मजहब अली और रामप्रसाद समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

व्यापारियों के हित से समझौता नहीं होगा : बंसल

महराजगंज। व्यापारियों के हित के साथ समझौता नहीं होगा। सभी व्यापारी एकजुट होकर संगठन की मजबूती के लिए कार्य करें। व्यापारियों की समस्याओं का समाधान कराने के लिए संगठन संघर्ष करने को तैयार है। ये बातें अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष संदीप बंसल ने कहीं। बंसल शहर के एक मैरिज हाल में संगठन के नव निवार्चित पदाधिकारियों को पद एवं गोपनियता की शपथ दिला रहे थे। उन्होंने कहा कि व्यापारी हित की दिशा में तेजी से काम किया जा रहा है। सभी पदाधिकारी पूरे मनोयोग से व्यापारी हित के लिए कार्य करें। जिलाध्यक्ष अनिल कुमार ने सभी अतिथियों के प्रति आभार प्रकट किया। कार्यक्रम शुरू होने के पहले सभी पदाधिकारियों ने राष्ट्रीय अध्यक्ष को माला पहनाकर स्वागत किया। इस दौरान राष्ट्रीय मंत्री रिपन, प्रदेश उपाध्यक्ष उपेंद्र नाथ द्विवेदी, अनुपम अग्रवाल, बलराम अग्रवाल, पुरूषोत्तम, रामप्रीत गुप्ता आदि मौजूद रहे।

दो साल से गिरी हैं गिट्टियां, सड़क कब बनेगा पता नहीं

पनियरा। रोहिन नदी के बंधे से होकर बंगली चौराहा से औरहिया को जोड़ने वाली साढ़े तीन किमी लंबी सड़क बदहाल है। सड़क पर गिट्टियां डाल कर छोड़ दी गई हैं। यह गांव से होकर निकलने वाला प्रमुख मार्ग है। इस मार्ग से हजारों लोग प्रतिदिन यात्रा करते हैं। सड़क पर दो माह पूर्व बड़ी गिट्टियां बिछाकर ठेकेदार द्वारा गिराकर छोड़ी गई हैं, लेकिन जिम्मेदार सड़क बनवाने में रुचि नहीं ले रहे हैं। धीरज त्रिपाठी, सत्य प्रकाश पासवान, अजीत, मुन्ना निषाद, गणेश पासवान, संदीप, बेचन गौड़, बाबूलाल गुप्ता, पल्टन प्रसाद, प्रकाश राव आदि का कहना है कि दो वर्ष पूर्व सड़क पर गिट्टी बिछाकर छोड़ दिया गया। शिकायत के बाद भी समस्या दूर नहीं हुई। लोक निर्माण खंड के अवर अभियंता प्रदीप गुप्ता का कहना है कि बारिश के कारण सड़क निर्माण कार्य रोका गया था। जल्दी ही निर्माण कार्य शुरू कराया जाएगा।

पुरानी रंजिश में साथियों ने कर दी थी चालक की हत्या, पांच गिरफ्तार

देवरिया। पुरानी रंजिश के चलते पांच साथियों ने ही अभय यादव की हत्या कर दी थी। पुलिस ने हत्यारोपियों को गिरफ्तार करने के साथ ही शव ठिकाने लगाने में प्रयुक्त ट्रक को भी बरामद कर लिया है। युवक का शव कुर्ना नाला में रविवार को मिला था। रामपुर कारखाना थाना क्षेत्र के बलियवां गांव निवासी अभय यादव (28) पुत्र रामजतन पत्नी से कहासुनी के बाद घर से नाराज होकर निकल गया था। भाई अनिल यादव की तहरीर पर पुलिस ने गुमशुदगी का मुकदमा दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी। रामपुर कारखाना एसआई महेंद्र कुमार चतुर्वेदी, कोतवाल सदर मृत्युंजय कुमार व एनडीआरफ की टीम ने युवक का शव सरौरा पुल के नीचे से बरामद किया। मृतक के भाई ने लेन–देन में युवक की हत्या कर शव फेंकने का आरोप लगाया। हत्या के आरोप के बाद हरकत में आई पुलिस ने ताबड़तोड़ छापेमारी कर छह को हिरासत में ले लिया। पूछताछ में युवक की रंजिश के चलते हत्या की बात सामने आई। पुलिस ने ओमप्रकाश उर्फ गुड्डू, इसराइल अंसारी, नागेंद्र सिंह, उमेश यादव और रामप्यारे को गिरफ्तार कर लिया। रामपुर कारखाना पुलिस ने पांचों आरोपियों को हत्या और शव छिपाने के मुकदमे में न्यायालय भेजा। एसआई महेंद्र कुमार चतुर्वेदी ने बताया कि छानबीन के बाद हत्या का मामला प्रकाश में आया। शव ठिकाने लगाने वाले ट्रक को भी बरामद कर लिया गया है। इस संबंध में सीओ सदर श्रीयश त्रिपाठी ने बताया कि आरोपियों से पूछताछ में घटना का खुलासा हुआ है। दस अक्तूबर की रात में अभय कुछ साथियों के साथ सदर रेलवे स्टेशन पर आया था। इसके बाद बैट्री चोरी करते पकड़ा गया तो आरोपियों ने उसकी जमकर पिटाई कर दी थी। इसके कारण उसकी मौत हो गई। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी ट्रक से शव ले जाकर कुर्ना नाले के पास फेंक दिए थे। सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

मासूम की मौत के मामले में चार पर गैर इरादतन हत्या का केस

देवरिया। शहर के साकेत नगर में मासूम की हुई मौत के मामले में पुलिस ने चार लोगों पर गैर इरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया है। बच्चे को दवा कराने के लिए अस्पताल ले जाते समय पिता व पड़ोसी से हाथापाई के दौरान बच्चे को छीनते समय धक्का लगने से वह दीवार में टकरा गया, जिससे गले और कमर में चोट लगने से मौत हो गई। साकेत नगर पूर्वी मोहल्ला निवासी राजन जायसवाल ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि पुत्र कान्हा की तबीयत खराब होने पर उसे अस्पताल ले जा रहा था। घर के पास से दो रास्ते हैं, जहां एक तरफ पानी लगा है, दूसरी तरफ पड़ोसी ने रास्ते को दीवार चलाकर बंद करवा दिया था। दीवार को पार कर जा रहा था। इसी बीच कहासुनी के दौरान हाथापाई हो गई। इसमें बच्चे को छीनने के दौरान वह दीवार से टकरा गया, जिससे उसे गंभीर चोट आई। घायलावस्था में जिला अस्पताल लेकर पहुंचा, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में गले और कमर में चोट लगने से मासूम के मौत की पुष्टि हुई है। मामले में पुलिस ने रामाकांत यादव, सोनी यादव तथा दो बहुओं के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया है। सदर कोतवाल मृत्युंजय सिंह ने बताया कि हाथापाई होने से मासूम दीवार से टकरा गया। गले और कमर में चोट लगने से उसकी मौत हो गई। मुकदमा दर्ज कर एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

आमरण अनशन पर बैठे ग्रामीणों को तहसील प्रशासन ने हटवाया

नौतनवां (महराजगंज)। तहसील क्षेत्र के हरदीडाली में भूमि विवाद में अनशन पर बैठे ग्रामीणों को तहसील प्रशासन ने हटवा दिया। ग्रामीण जहां न्याय की मांग कर रहे थे, वहीं तहसीलदार अरविंद श्रीवास्तव ने बिना इजाजत अनशन की बात कहकर उन्हें हटवा दिया तथा विवादित स्थल पर पहुंचकर जांच की। हरदीडाली चौराहे पर स्थित विवादित भूमि को लेकर हरदीडाली गांव के सचिदानंद मिश्रा .कुछ ग्रामीणों के साथ तहसील परिसर में अनिश्चितकालीन आमरण अनशन पर बैठे थे। कुछ देर बाद सोनौली पुलिस व नौतनवां पुलिस अनशन स्थल पर पहुंची तथा अनशनकारियों से समझाने बुझाने का प्रयास की, लेकिन अनशनकारियों ने बात नहीं मानी। थोड़ी देर बाद तहसीलदार अरविंद श्रीवास्तव मौके पर पहुंचे तथा अनशन पर बैठे ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन बात नहीं बनी। कुछ देर बाद दुबारा अनशन शुरू हो गया, जानकारी होने पर तहसीलदार फिर सुरक्षा बल के साथ मौके पर पहुंचकर अनशन समाप्त करा दिया। इसके बाद विवादित भूमि पर पहुंचकर जांच पड़ताल की । अनशन पर बैठे बैजनाथ गुप्ता, विमला देवी, फूलमती चौधरी, भगवती चौधरी, मुराती देवी, माधुरी, रामवृक्ष, रोहित आदि ग्रामीणों ने बताया कि सूचना देने के बाद भी प्रशासन द्वारा जबरदस्ती अनशन हटवा दिया गया, वहीं तहसीलदार अरविन्द कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि मौके पर जाकर जांच पड़ताल कर अनशन पर बैठे लोगों को संतुष्ट कर अनशन समाप्त कराया गया है। आरोप बेबुनियाद है।

महज 10 फीसदी आउट ऑफ स्कूल बच्चों को ही ढूंढ सका विभाग

महराजगंज। आउट आफ स्कूल बच्चों को ढूंढने में जिले की प्रगति अभी बहुत अच्छी नहीं है। वैसे तो पूरे जिले में 7,848 विद्यार्थियों के सापेक्ष अभी तक महज 748 विद्यार्थियों को ढूंढकर महज 10 प्रतिशत उपलब्धि हासिल की जा सकी है, मगर व्यक्तिगत रुप से देखें तो धानी ब्लॉक ने लक्ष्य के सापेक्ष सर्वाधिक लगभग 40 प्रतिशत से अधिक बच्चों को ढूंढकर जिले में पहला स्थान हासिल किया है। जिले के शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा की मुख्यधारा से वंचित छात्र–छात्राओं को ढूंढने के लिए अभियान चलाया गया। चलाए गए अभियान के क्रम में बृजमनगंज ब्लॉक को 632, धानी को 174, लक्ष्मीपुर को 781, मिठौरा को 594, पनियरा को 632, परतावल को 586, फरेंदा को 706, घुघली को 505, सदर को 706, नौतनवां को 890, सिसवां को 603 तथा निचलौल को 669 का लक्ष्य प्रदान किया गया। साथ ही शिक्षा विभाग से जुड़े सभी जिम्मेदारों को लक्ष्य पूरा करने के निर्देश दिए गए मगर रविवार तक महज 10 प्रतिशत ही उपलब्धि हासिल हो सकी है। अब जबकि अभियान पूरा होने में 13 दिन बचा है तथा छुट्टियां भी अधिक हैं तो शिक्षकों व कर्मियों को इस दिशा में विशेष प्रयास करने होंगे। लक्ष्य के सापेक्ष ब्लॉकों की उपलब्धिः धानी ने 71 बच्चों को ढूंढकर 40.8 प्रतिशत, घुघली ने 138 बच्चों को ढूंढकर 27.3 प्रतिशत, बृजमनगंज ने 78 बच्चों को ढूंढकर 12.3 प्रतिशत, लक्ष्मीपुर ने 91 बच्चों को ढूंढकर 11.7 प्रतिशत, पनियरा ने 72 बच्चों को ढूंढकर 11.4 प्रतिशत, नौतनवां ने 98 बच्चों को ढूंढकर 11 प्रतिशत तथा निचलौल ने 68 बच्चों को ढूंढकर 10.2 प्रतिशत उपलब्धि हासिल की है। मिठौरा, परतावल, सदर, फरेंदा व सिसवा की उपलब्धि ा लक्ष्य के सापेक्ष छह प्रतिशत से भी कम रही।

चेयरमैन बबिता कसौधन ने बालिका विद्यालय में लगवाया वाटर एटीएम

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़ चेयरमैन बबिता कसौधन ने स्थानीय सेठ रामकुमार बालिका इन्टर कॉलेज में निःशुल्क पेयजल हेतु वाटर एटीएम का विधिविधान से पूजन अर्चन के बाद उसका उद्घाटन किया। वाटर एटीएम के उद्घाटन को लेकर नगर अध्यक्ष बबिता कसौधन ने कहा कि स्थानीय बालिका विद्यालय में पेयजल की समस्या बनी रहती थी। उन्होंने यह भी कहा कि लोगों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के लिए नगर पंचायत प्रशासन उत्तर प्रदेश सरकार की मंशा के अनुरूप प्रतिबद्ध है इसके साथ ही अध्यक्ष प्रतिनिधि सौरभ गुप्ता ने कहा कि हमारा पूरा प्रयास होगा, कि नगर पंचायत के सभी लोगों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया जा सके। इस दौरान कालेज की प्रधानाचार्या अंजू मिश्रा ने कहा कि नगर पंचायत द्वारा शुद्ध पेयजल। हेतु निःशुल्क वाटर एटीएम लगाया गया है। निश्चित रूप से यहां की छत्राओं को इसका लाभ मिलेगा। विदित हो इसके पूर्व की नगर पंचायत द्वारा विभिन्न चौराहों व वार्डो में भी वाटर एटीएम लगाया जा चुका है। इस दौरान प्रमुख रूप से अध्यक्ष प्रतिनिधि सौरभ गुप्ता, अधिशाषी नवीन कुमार सिंह, कॉलेज प्रधानाचार्य अंजू मिश्रा, अमित कसौधन, संजू पाण्डेय, सोनू निगम उर्फ पहलवान, विशुनदेव तिवारी, लाला गौड़, घनश्याम गुप्ता, लिपिक राजेश तिवारी, बीडी कसौधन, कमलेश गुप्ता, अक्षय कसौधन, अंकित गुप्ता, सूरज निगम आदि मौजूद रहे।

संयुक्त तत्वावधान में बाढ़ पीड़ितों को वितरण किया गया सामग्री

दैनिक बुद्ध का संदेश

भनवापुर/ सिद्धार्थनगर। रविवार को श्री राम जानकी गुरुकुलम वा जन

कल्याण समिति के संयुक्त तत्वावधान में बाढ़ पीड़ितों को वितरण किया गया सामग्री। डुमरियागंज तहसील क्षेत्र के बाढ़ प्रभावित गांव पेंडारी मुस्तहकम में 350 पैकेट से ज्यादा (एक पैकेट में दो बड़ा पारले व एक समोसा) सामाजिक कार्यकर्ताओं ने वितरण किया समोसा बिस्किट। रविवार को दोपहर करीब एक बजे मन्नीजोत से नाव पर सामान रखकर गांव में घर घर सामाजिक कार्यकर्ताओं ने वितरण किया राहत सामग्री। इस दौरान गांव के लोगों ने अपनी समस्याएं बताई, उन्होंने कहा कि कभी तक कोई नहीं आया था हम लोगों की सुध लेने पर आज आप लोगों को देखकर ऐसा लगता है कि मानवता बची हुई है। इस मौके पर जन कल्याण समिति के सचिव सच्चिदानंद मिश्रा ने कहा कि हम किसी की जरूरत नहीं पूरा कर सकते है परन्तु यह एक छोटा सा भेंट है, इसे आप लोग इसे स्वीकार करें। हम समाज को जागरूक करने का संदेश दे रहे हैं। कि लोग ऐसे प्रलय के समय में लोगों की मदद करें। इस दौरान आचार्य ओम प्रकाश, पंडित बृजेश पाठक, आकाश यादव, शुभम पाण्डेय, सलमान मलिक, जुबेर मलिक, शिवम पांडेय, आदित्य त्रिपाठी आदि लोग मौजूद रहे।

दो दिवसीय प्रशिक्षण हुआ समाप्त

दैनिक बुद्ध का संदेश

उसका बाजार/सिद्धार्थनगर। ब्लाक संसाधन केंद्र उसका पर आयोजित

दो दिवसीय प्रशिक्षण बुधवार को समाप्त हो गई। प्रशिक्षकों ने बताया कि कहानी, विषय, घटना, चित्र, पात्र, शीर्षक पर अपने अनुभव को जोड़ते हुए समझ के साथ लिखित रूप से अभिव्यक्त कर सकें। गणित शिक्षा के विकास के लिए विषय को रुचिकर बनाना होगा। बच्चों में गिनती, पहाड़ा, जोड़ घटाना, गुणा भाग के अलावा अन्य गणितीय सिद्धांत में पारंगत होना आवश्यक है। बीईओ महेंद्र कुमार ने बताया कि कोरोना त्रासदी से प्रभावित हुए बच्चों की पढ़ाई के नुकसान की भरपाई समय से कर पाएं। ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन शिक्षा विभाग द्वारा अध्यापकों को सीखने–सिखाने की प्रक्रिया में जुड़े नवाचारों से रूबरू करना है। इस दौरान रामसेवक गुप्ता, अजीजुर्रहमान, शिवाकांत दुबे, गुलाब चंद, रामचंद्र यादव, निधि सिंह, प्रियंका गुप्ता, वृहस्पति पांडेय, दिव्यांशु सिंह, आकाश श्रीवास्तव, आशीष कुमार आदि मौजूद रहे।

बैंक आफिसरों में बाढ़ ग्रस्त गांव में बितरण कराया लंच पैकेट

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। प्रशासन के साथ–साथ राज्य कर्मचारी भी बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में लोगों के लिए मददगार साबित हो रहें है। बुद्धवार को बड़ौदा यूपी बैंक क्षेत्रीय कार्यालय सिद्धार्थनगर के क्षेत्रीय प्रबंधक सी डी पांडे, एफ एस सी महेश मणि त्रिपाठी, अमर चंद तथा शाखा प्रबंधक बभनी मनोज कुमार के द्वारा जोगिया ब्लाक के पिपरहवा, देऊरावा आदि बाढ़ ग्रस्त गांव में लंच पैकेट बांटा गया। इस दौरान ग्राम प्रधान मनमोहन निषाद, पिपराहवा ग्राम प्रधान, जोगीबारी नितेश सिंह, मुन्ना लाल गौड़, माधव यादव आदि मौजूद रहे।

छात्र–छात्राओं को निःशुल्क स्मार्टफोन वितरण कार्यक्रम का हुआ भव्य आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय ओबरा, में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रदेश में अध्ययनरत युवाओं को तकनीकी रूप से सक्षम एवं सशक्त बनाने हेतु चलाई जा रही निरूशुल्क स्मार्ट फो नध्टे बले ट वितरण योजना के अंतर्गत सत्र 2021–22 में महाविद्यालय में प्रवेश लिए बीए, बीएससी, बी कॉम–तृतीय वर्ष के 863 छात्र–छात्राओं को

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि लीला ब्लाक प्रमुख, चोपन ब्लाक, सोनभद्र एवं कार्यक्रम के अध्यक्षध महाविद्यालय के प्राचार्य, प्रोफेसर (डॉ.) प्रमोद कुमार के कर कमलों द्वारा निरूशुल्क स्मार्टफोन वितरित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कुमारी आशा, कुमारी अर्पिता पांडे, कुमारी शिवानी सिंह, कुमारी गरिमा सिंह एवं हर्षिता पांडे के मधुर एवम मंत्रमुग्ध कर देने वाले स्वागत गीत की बहुत ही सुंदर एवम अभिनव प्रस्तुति के साथ हुआ। मुख्य अतिथि महोदय ने उक्त अवसर पर बताया कि प्रदेश सरकार युवाओं को तकनीकी रूप से सक्षम एवम सशक्त बना कर, युवाओं के स्वर्णिम भविष्य के निर्माण के साथ–साथ सशक्त, समृद्ध, समुन्नत भारत के नव निर्माण के लिए पूरी तत्परता से कार्य कर रही है । वही कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महाविद्यालय के प्राचार्य, प्रोफेसर (डॉ.) प्रमोद कुमार ने बताया कि सरकार द्वारा युवाओं को वितरित किए जा रहे निरूशुल्क स्मार्टफोन एवं टेबलेट निश्चित रूप से उनको तकनीकी रूप से सशक्त बनाने के साथ–साथ उनके सर्वांगीण विकास में भी सहायक सिद्ध होंगे। स्मार्टफोन के वितरण की व्यवस्था महाविद्यालय के नोडल अधिकारी प्रो. (डॉ.) किशोर कुमार सिंह की देखरेख में संपन्न की गई। कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय के इतिहास विभागाध यक्ष डॉ.संतोष कुमार सैनी द्वारा किया गया। उक्त अवसर पर वरिष्ठ समाजसेवी धुरंधर शर्मा, उमेश पटेल, विमल रंजन सिंह, दीना नाथ शर्मा महाविद्यालय के प्रोफेसर (डॉ.) राधाकांत पांडे, डॉ. महेंद्र प्रकाश, डॉ. उपेंद्र कुमार, डॉ. किरन सिंह, डॉ. राजेश प्रसाद, डॉ. अमूल्य कुमार सिंह, डॉ. विभा पांडे, डॉ. रंजीत सिंह, डॉ. विजय प्रताप यादव, डॉ. बीना यादव, डॉ. महीप कुमार, डॉ. वैशाली शुक्ला, डॉ. महा प्रसाद, कार्यालय अध्ीक्षक प्रमोद केसरी कर्मचारी गणों में धर्मेंद्र, कुमार, महेश पांडे ,अरुण कुमार, कुंदन, सरफुद्दीन के साथ–साथ अन्य विद्यालयों के अध्यापक गण तथा कुमारी आशा, कुमारी शिवानी सिंह, कुमारी गरिमा सिंह, हर्षिता पांडे, अर्पिता पांडे, संजीव शेखर शाह, आशीष कुमार इत्यादि एवम स्नातक तृतीय वर्ष के लाभान्वित होने वाले महाविद्यालय के छात्र–छात्राएं भारी संख्या में मौजूद रहे।

कथा व्यास राम हेतु रसिया गायकी के माध्यम से जिले के लोगों के दिलों पर किया राज

दैनिक बुद्ध का संदेश

बाराबंकी। तहसील नवाबगंज के अंतर्गत ग्राम गुरेला जकरिया में चल रही कथावाचक रामहेत रसिया के द्वारा पांच दिवसीय भागवत कथा ने गुरेला ग्राम वासियों का मन मोह लिया बताते चलें की वर्तमान में बाराबंकी जिले के लोगों को कथावाचक रामहेतु रसिया की लोकप्रियता बहुत ज्यादा बढ़ चुकी है। राम हेतु रसिया के मुखारविंद से कहीं गई कथा लोगों के मन को मोह लेती है यदि इनके द्वारा सत्संग किसी भी क्षेत्र में चल रहा हो तो महिला, बच्चे, बुजुर्ग, जवान, माताएं, बहनें सभी लोगों का हुजूम लग जाता है और कथा शुरुआत होने का इंतजार करते रहते हैं। और कथा सुनने के लिए आतुर रहते हैं। लोग घर का कामकाज छोड़कर भगवान की अमृतमई कथा को सूनकर भगवान के चरणों में सभी लीन हो जाते हैं बाराबंकी जिले में इन्होंने ऐसी छवि बनाई की इनकी अमृतवाणी के द्वारा इनकी आवाज को बच्चा–बच्चा पहचान लेता है समाज में इनकी पहचान अलग बन चुकी है। इसी तरह का नजारा आज जकरिया के पास ग्राम गुरेला में स्थित नयापुरवा में बने मंदिर पर सत्संग सुनने का लोगों को

अवसर प्राप्त हुआ। कथावाचक रामहेतु रसिया के द्वारा सत्संग के साथ–साथ लोगों को अपनी जीवनशैली सुधारने के लिए बुराई से बचने के लिए या इससे हम कैसे बचे इन सब बातों को व्यास मंच के माध्यम से बताया। मनुष्य को अपने जीवन पर विश्वास रखना चाहिए जिस तरह एक नाविक नदी की बहती तेज धारा से बचते हुए आपने नाव को इस पार से उस पार ले जाता है उसी तरह प्रभु पर विश्वास रखें और आपने जीवन की नैया को सच्चाई और ईमानदारी से व्यतीत करें। पांचवे दिन की कथा में रामचरितमानस में लिखी चौपाई कि ष्एक बार त्रेता युग माही। शंभू गए कुंभज ऋषि पाहीं रामचरितमानस में लिखी चौपाई की व्याख्या करते हुए उन्होंने बताया कि भगवान शंकर ने सती को अपने मुखारविंद से भगवान की कथा कई बार स्मरण कराई लेकिन सती को कथा पर बार–बार शंका होने के कारण वह अमर नहीं हो पाई। तब शंकरजी ने सोचा क्यों ना हम सती जी को कुंभज ऋषि के आश्रम जाकर के सती को कथा स्मरण कराएं सती को कुंभज ऋषि के द्वारा भगवान की पावन कथा को स्मरण किया। इसी कथा को विस्तार पूर्वक व्यास कथावाचक रामहेतु रसिया के द्वारा भक्तों को स्मरण कराया। ऐसी पावन कथा और इतनी सुरीली आवाज से लोग झूम उठे और लोगों ने भंडारे का प्रसाद पाकर सब अपनी खुशी के साथ कथा और कथा वाचक की प्रशंसा करते हुए घर वापस चले गए। मौके पर आए दूरदराज से लोग व सभी क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

अखिल भारतीय कायस्थ महासभा पदाधिकारियों की चुनाव बैठक हुई संपन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

लखनऊ। नगर के श्रीराम कालोनी में अखिल भारतीय कायस्थ

महासभा के प्रदेश अध्यक्ष चुनाव संबंधी विशेष बैठक का आयोजन हुआ। प्रदेश उपाध्यक्ष व लखनऊ मंडल प्रभारी मनोज श्रीवास्तव के संयोजन में व वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजीव श्रीवास्तव की व्यवस्था में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रदेश अध्यक्ष महासभा व भाजपा लखनऊ लोकसभा चुनाव प्रभारी हृदय नारायण श्रीवास्तव तथा पूर्व आई. पी. एस.अधिकारी उमेश श्रीवास्तव का भव्य स्वागत किया गया। जिलाध्यक्ष हरिहर श्रीवास्तव के संचालन में आयोजित कार्यक्रम में कार्यकारी अध्यक्ष प्रमोद निगम, व समाज कल्याण प्रकोष्ठ अध्यक्ष पी अस्थाना का भी स्वागत किया गया। पूर्व डी आई उमेश श्रीवास्तव ने अपने संबोधन में अखिल भारतीय कायस्थ महासभा चुनाव में प्रदेश अध्यक्ष पद हेतु बाराबंकी पदाधिकारियों से सहयोग व समर्थन मांगा। बैठक में कायस्थ समाज की राजनीतिक सहभागिता व भागीदारी पर जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाने पर सहमति बनी। पूर्व की भांति कायस्थ समाज में वैवाहिक दिक्कतों को देखते हुए पुनः वैवाहिक परिचय सम्मेलन कराने पर भी विचार किया गया। कार्यक्रम में पूर्व जिलाध्यक्ष जय प्रकाश श्रीवास्तव, महामंत्री अभिषेक श्रीवास्तव, उपाध्यक्ष विनय श्रीवास्तव, मंत्री सुबोध श्रीवास्तव, मीडिया प्रभारी शरद श्रीवास्तव, चिकित्सा प्रकोष्ठ अध्यक्ष डा राकेश श्रीवास्तव, अधिवक्ता अंबरीष श्रीवास्तव, युवा जिलाध्यक्ष अभिषेक सौरभ श्रीवास्तव, महेश श्रीवास्तव, लालता शरण श्रीवास्तव, प्रदीप श्रीवास्तव, सतीश श्रीवास्तव, टैक्स अधिवक्ता दीपेश श्रीवास्तव, गौरांग निगम, व पूर्व महामंत्री नीरज श्रीवास्तव सहित अन्य उपस्थित रहे।

पुलिस टीम ने राजू हत्या कांड का किया सफल अनावरण

दैनिक बुद्ध का संदेश

बाराबंकी। स्वाट–सर्विलांस टीम व थाना कोतवाली नगर की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा मो0 नसीर उर्फ राजू हत्याकाण्ड का सफल अनावरण, 06 हत्याभियुक्त गिरफ्तार। पीड़ित मो0 सईद कुरैशी पुत्र स्व0 मो0 नसीम कुरैशी निवासी आलापुर थाना कोतवाली नगर जनपद बाराबंकी ने थाना कोतवाली नगर पर सूचना दिया कि मेरे भाई मो0 नसीर कुरैशी उर्फ राजू अपने दोस्तों के साथ पीर बाबा की मजार कटरा गया था तथा रात्रि में घर वापस आते समय उच्च प्राथमिक विद्यालय बदनपुरवा स्कूल के पास चार व्यक्ति खड़े थे। चारों व्यक्तियों द्वारा मेरे भाई की हत्या कर शव कुएं में फेंक दिया था। उक्त सूचना पर थाना कोतवाली नगर पर मुकदमा पंजीकृत किया गया। घटना से सम्बन्धित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के आदेश पर स्वाट–सर्विलांस टीम व थाना कोतवाली नगर की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा मैनुअल इंटेलीजेन्स एवं डिजिटल डेटा की मदद से

अभियुक्तगण देशराज यादव पुत्र राम चन्दर यादव निवासी ग्राम भिठुहरा थाना कोतवाली नगर जनपद बाराबंकी, शिव कुमार उर्फ टेनी पुत्र बच्चूलाल वर्मा निवासी ग्राम बदनपुरवा थाना कोतवाली नगर जनपद बाराबंकी, पवन कुमार पुत्र सन्तराम यादव निवासी ग्राम असमाबाद थाना कोतवाली नगर जनपद बाराबंकी, सुनील पुत्र मन्शाराम निवासी ग्राम भिठुहरा थाना कोतवाली नगर जनपद बाराबंकी, जगेसर पुत्र राम मूरत यादव निवासी भट्टापुरवा थाना कोतवाली नगर जनपद बाराबंकी, झब्बू यादव पुत्र स्व0 राजाराम यादव निवासी ग्राम बरगरहा थाना कोतवाली नगर जनपद बाराबंकी को असैनी मोड़ तिराहा से गिरफ्तार किया गया।अभियुक्तगण के कब्जे–निशांदेही से घटना में प्रयुक्त आलाकत्ल दो डण्डा बरामद किया गया। अभियोग उपरोक्त में धारा 34 भादवि0 की बढ़ोत्तरी की गई। अभियुक्तगण द्वारा पूछताछ में बताया गया कि हम लोग कटरा में पीर बाबा की मजार पर लगे मेले को देखने गये थे। मेले में हो रहे कार्यक्रम में बैठने के लिए कुर्सी नहीं मिल रही थी तो हम लोगों ने वहां के प्रधान के माध्यम से दो कुर्सी मंगवाई लेकिन दोनों कुर्सियां आने के बाद दबंगई के बल पर मृतक मो0 नसीर कुरैशी उर्फ राजू व उसके दोस्त बैठ गये। पूर्व में भी मृतक के द्वारा दबंगई की जाती थी। इसी बात को लेकर हम लोगों ने योजना बनाकर बदनपुरवा सरकारी स्कूल के पास मो0 नसीर उर्फ राजू को धान की सुरक्षा में गड़े डण्डों से मार कर हत्या कर दी और मृतक के शव को उठाकर पास के कुएं में डाल दिया। फिलहाल पुलिस ने घटना से संबंधित सभी अभियुक्तो को विधिक कार्यवाही करते हुए जेल रवाना कर दिया है।

बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता बहेरा में सम्पन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

करमा/सोनभद्र। विकास खण्ड करमा का बाल क्रीड़ा

प्रतियोगिता एवं सांस्कृतिक समारोह का आयोजन कंपोजिट विद्यालय बहेरा में बुधवार को हुआ। जिसका शुभारंभ जिला पंचायत अध्यक्ष राधिका पटेल ने ध्वजारोहण कर शुरुआत की। समापन सी डी ओ सौरभ गगवार ने पुरस्कार वितरण किया। उन्होंने कहा बच्चे देश देश की धरोहर हैं बच्चों को शिक्षा के साथ–साथ खेलकूद की शिक्षा भी देना जरूरी है। खेल कार्यक्रम में एथलेटिक्स, बालू बालू कबड्डी खो खो पीटी डंबल योगा, जिमनास्टिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रतियोगिताएं कराई गई। प्रतियोगिता में ब्लॉक के हरन्याय पंचायत के बच्चों ने प्रतिभाग किया। प्रथम स्थान पाने वाले बच्चों को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। शुभ अवसर पर वितरण किया गया उक्त अवसर पर अरुण कुमार सिंह, बेसिक शिक्षा अधिकारी हरिबंस कुमार, खंड शिक्षा अधिकारी अरविंद कुमार ,पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष रवि भूषण सिंह, ग्राम प्रधान शशी सिंह, समाजसेवी धीरज कुमार सिंह ,मौला मौलाना हिफाजत हुसैन, प्रदीप कुमार शुक्ला, एस एन वर्मा, शिक्षक ,कर्मचारी मौजूद रहे।

बुद्ध का संदेश
(हिन्दी दैनिक समाचार पत्र)
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स , ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट–हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद–सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित।
आर.एन.आई. नं.–UPHIN/2012/49458
संस्थापक
स्व. के.सी. शर्मा
सम्पादक
राजेश कुमार शर्मा
9415163471, 9453824459
दैनिक बुद्ध का संदेश
9795951917,9415163471
@budhakasandesh
budhakasandeshnews@gmail.com
www.budhakasandesh.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

जनपद सिद्धार्थनगर के महत्वपूर्ण नम्बर

जिलाधिकारी	मो0:– 9454417530
मुख्य विकास अधिकारी	मो0:– 9454464749
एस डीएम नौगढ़	मो0:– 9454415936
एस डीएम बांसी	मो0:– 9454415937
एस डीएम डुमरियागंज	मो0:– 9454415939
एस डीएम इटवा	मो0:– 9454415939
एस डीएम शोहरतगढ़	मो0:– 9454415940
पुलिस अधीक्षक	मो0:– 9454400305
थाना मोहाना	मो0:– 9454404239
थाना जोगिया उदयपुर	मो0:– 9454404235
थाना गोलौरा	मो0:– 9454404233
थाना पथरा बाजार	मो0:– 9454404240
थाना त्रिलोकपुर	मो0:– 9454404243
थाना उसका बाजार	मो0:– 9454404244
थाना शोहरतगढ़	मो0:– 9454404241
थाना खेसरहा	मो0:– 9454404236
थाना इटवा	मो0:– 9454404234
थाना चिल्हिया	मो0:– 9454404229
थाना ढेबरूआ	मो0:– 9454404230
थाना भवानीगंज	मो0:– 9454404228
थाना मिश्रौलिया	मो0:– 9454404238
थाना सि0नगर	मो0:– 9454404242
थाना डुमरियागंज	मो0:– 9454404232
थाना लोटन	मो0:– 9454404237
महिला थाना	मो0:– 9454404891

राष्ट्रीय दैनिक
बुद्ध का संदेश

एम्स जैसा संस्थान एवं केंद्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना हो:पवन कुमार सिंह एडवोकेट

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। अलग पुर्वांचल राज्य की मांग कर रहे संगठन पूर्वांचल राज्य जनमोर्चा द्वारा सोनभद्र के राबर्ट्सगंज तहसील में बैठक कर पृथक पूर्वांचल राज्य व अन्य समस्याओं को हल करने की मांग की ! इस अवसर पर राष्ट्रीय महासचिव पवन कुमार सिंह एडवोकेट ने मांग किया कि सोनभद्र जनपद आदिवासी क्षेत्र होने के साथ–साथ वन एवं पहाड़ो से आच्छादित है तथा बिहार झारखंड छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश की सीमाओं से जुड़ा हुआ है किंतु आज भी यातायात एवं शिक्षा आदि के क्षेत्र में काफी पिछड़ा हुआ है इसलिए मोर्चा मांग करता है कि यहां पर एम्स जैसा संस्थान एवं केंद्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना हो तथा जनपद सोनभद्र के रावर्टसगंज रेलवे स्टेशन पर उच्च स्तरीय संसाधनों की व्यवस्था किया जाए तथा देश के मुख्य शहरों मुंबई, कोलकाता, चेन्नई, बेंगलुरु के लिए ट्रेन चलाई जाए ! प्रदेश अध्यक्ष विमलेश त्रिपाठी ने कहा किआजादी की लड़ाई और उसके बाद देश के विकास में पूर्वांचल ने महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है लेकिन खुद पूर्वांचल हमेशा उपेक्षा का शिकार होता रहा है। यहां के लोगों ने देश के कला–साहित्य और संस्कृति को समृद्ध करने में अभूतपूर्व योगदान दिया है, फिर भी पूर्वांचल और यहां के लोगों की लगातार अनदेखी की गई है। इसलिए पूर्वांचल के 28 जनपदों को मिलाकर एक पृथक पूर्वांचल राज्य स्थापना किया जाए ! जिला अध्यक्ष शिवप्रकाश चौबे ने कहा कि सोनभद्र में संपूर्ण पदाधिकारियों की बैठक बुलाई गई जिसमें सभी जनपदों के पदाधिकारीगण और कार्यकर्ता भाग लेंगे ! इस अवसर पर विभूतियों को ष्पूर्वांचल एकता सम्मान से सम्मानित किया जाएगा! संचालन जिला महासचिव सत्यम शुक्ला एडवोकेट ने किया! इस अवसर पर एड वी पी सिंह, एड पवन कुमार द्विवेदी, काकू सिंह, संदीप जायसवाल, अशोक कुमार कनौजिया एडवोकेट, ईश्वर जायसवाल एडवोकेट, दीपनारायण पटेल, एड नवीन पांडेय , एड वीरेंद्र कुमार सिंह शिव प्रकाश चौबे जिलाध्यक्ष पूर्वांचल राज्य जनमोर्चा, संतोष चतुर्वेदी, नेतराज पटेल, प्रदीप सिंह आदि लोग उपस्थित रहे।

ग्राम पंचायत मालदा में बाटी गयी बाढ़ राहत सामग्री

ग्राम प्रधान रोहित गुप्ता पूर्व विधायक भी रहे मौजूद

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। ब्लाक पचपेड़वा बलरामपुर ग्राम पंचायत मालदा के आसपास पुरे इलाके में बाढ़ ने चारों तरफ बहुत ही कहर ढाया। चारो तरफ बस पानी ही पानी नजर आने लगा था। किसानों की धान की फसलें पूरी तरह नष्ट हो गयी बाढ़ के पानी से। फिलहाल बाढ़ खघ्त्म होने लगा है। कुछ गांव लालभारिय इमिलिया माधावानागर आदि गांव अभी भी बाढ़ की चपेट में है। बाढ़ पीड़ितों से बात की तो उन्होंने बताया कि आयशा पानी का शैलाब यहाँ कभी नही आया था। बाढ़ तो थोड़े बहुत हमेशा आते जाते रहते थे। पर इस बार की तरह बाढ़ का कहर शायद कभी नहीं आया था। पहले बाढ़ से फसल खराब होती थी बस कुछ गाँवो में पानी घुसता था। पर इस बार तो घरो में पानी की धाराएं चली है। ग्राम पंचायत मालदा में बाढ़ राहत सामग्री ग्रमीडो को दिया गया। ग्राम पंचायत मालदा प्रधान रोहित गुप्ता पूर्व भाजपा विधायक शैलेश कुमार शैलू सिंह भी मौजूद रहे।

स्नीकर्स खरीदते समय इन बातों का रखें खास ध्यान, सही चयन में मिलेगी मदद

अगर आप फुटवियर में स्नीकर्स पहनना पसंद करते हैं तो उनकी खरीदारी के दौरान कुछ बातों पर विशेष ध्यान दें। वैसे भी आजकल बाजार में स्नीकर्स के कई ब्रांड्स उपलब्ध हैं, लेकिन ब्रांड की चमक–दमक के बजाय यदि आप खुद पर ध्यान देंगे तो सही स्नीकर्स खरीद सकेंगे।

आराम पर दें ध्यान

स्नीकर्स खरीदते समय कई लोगों का ध्यान उनके डिजाइन और स्टाइल पर होता है। दरअसल, कई बार लोग सिर्फ स्नीकर्स की खूबसूरती देखकर उसे खरीद लेते हैं, लेकिन स्नीकर्स के पैटर्न के साथ–साथ उनका आरामदायक होना भी बहुत मायने रखता है।

अगर आप अपने स्नीकर्स में आरामदायक महसूस करेंगे तो आपको जल्द थकान महसूस नहीं होगी और आप अपने ज्यादातर काम को जल्द निपटा सकेंगे।

जब भी आप स्नीकर्स खरीदें तो आपके पैर की सबसे बड़ी उंगली और चुने गए जूते में हमेशा आधे से एक इंच का अंतर होना चाहिए। इससे उन्हें पहनते समय पैरों में समस्या नहीं होगी।

चलते या दौड़ते समय पैर का पंजा आगे की ओर मुड़ता है। यही कारण है कि स्नीकर्स के अंदर कुछ अतिरिक्त जगह की आवश्यकता होती है। इस अतिरिक्त जगह की वजह से आपको चलने में आराम महसूस होगा।

स्नीकर्स के सोल का पर ध्यान देना है जरूरी

स्नीकर्स खरीदते समय उनके सोल का ध्यान रखना भी बहुत जरूरी होता है। अगर आपके स्नीकर्स के अंदर का सोल मुलायम नहीं होगा तो उन्हें पहनकर चलने से आपकी पीठ के निचले हिस्से में दर्द होगा और आपको पैरों को कई समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में हमेशा मुलायम सोल वाले स्नीकर्स का ही चयन करें, ताकि आप बिना किसी दिक्कत के उन्हें पहनकर चल या दौड़ कर सकें।

विश्वसनीय ब्रांड के स्नीकर्स ही खरीदें

कई बार लोग सस्ते दाम देखकर लोकल ब्रांड के स्नीकर्स खरीदना बेहतर समझते हैं, लेकिन यह गलत है। इससे पैरों को कई समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। आपको ब्रांडेड और विश्वसनीय कंपनियों के स्नीकर्स ही खरीदने चाहिए। बड़ी कंपनियां इन्हें बनाने के लिए सभी नियमों का पालन करती हैं और उनकी टेस्टिंग भी की जाती है। जबकि लोकल स्नीकर्स को बनाने के दौरान ऐसा कुछ भी नहीं किया जाता।

ऐसे बढ़ाएं अपने स्नीकर्स की शेल्फ लाइफः यह बहुत आसान काम है, क्योंकि इसके लिए आपको बस एक चीज की जरूरत होगी। दरअसल, स्नीकर्स की शेल्फ लाइफ बढ़ाने के लिए उनका ख्याल रखना बेहद जरूरी है। इसके लिए अपने स्नीकर्स के ऊपर छह से बारह महीने में एक बार शू प्रोटेक्टर स्प्रे का इस्तेमाल करें। यह प्रोटेक्टर आपके स्नीकर्स के उपर एक प्रोटेक्टिव कोटिंग करेगा और जिसके कारण आपके स्नीकर्स खराब नहीं होंगे।

हंसिका मोटवानी की शादी की डेट फिक्स, 450 साल पुराने किले में लेंगी सात फेरे

फिल्म इंडस्ट्री में एक दशक से भी ज्यादा समय से काम कर चुकीं एक्ट्रेस हंसिका मोटवानी इस साल के अंत में शादी के बंधन में बंधने वाली हैं। रिपोर्ट के मुताबिक ये शादी शाही तरीके से होने जा रही है। रिपोर्ट के मुताबिक विवाह समारोह जयपुर में 450

साल पुराना किले में आयोजित किया जाएगा। इस किले में एक्ट्रेस की शादियों की तैयारियां चल रही हैं। शादी समारोह जयपुर के मुंडोता किले और महल में होगा। फिलहाल शादी की तारीख का खुलासा नहीं किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, शादी के मेहमानों के लिए कमरों का इंतजाम किया जा रहा है। हंसिका की शादी की मेजबानी के लिए महल में तैयारियां की जा रही हैं। शादी सभी दर्शकों के लिए एक विजुअल ट्रीट होगी। बता दें कि, इस साल की शुरूआत से हंसिका के अपकमिंग मैरिज की अफवाहें तेज हो गई थी, हालांकि, इस बात की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है कि उनका दूल्हा कौन है, एक अन्य रिपोर्ट के मुताबिक हंसिका का दूल्हा एक राजनेता का बेटा है, जो एक फेमस बिजनेमैन भी है। एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री के लिए इस तरह सीक्रेट तरीके से शादी करना कोई नई बात नहीं है, हालांकि तमाम गोपनीयता के बावजूद मीडिया आउटलेट्स को फेमस सेलेब्रिटी की लव स्टोरी की जानकारी मिल ही जाती है। वर्क फ्रंट की बात करें तो, हंसिका तमिल फिल्म राउडी बेबी में एक्टिंग करती दिखेंगी। उन्होंने शाका लाका बूम बूम और सोन परी जैसे टीवी शो के साथ इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाई है, उन्होंने ऋतिक रोशन की कोई मिल गया में भी एक्टिंग की है।

अमिताभ की ऊंचाई का ट्रेलर रिलीज, रोमांच से भरी है दोस्ती की कहानी

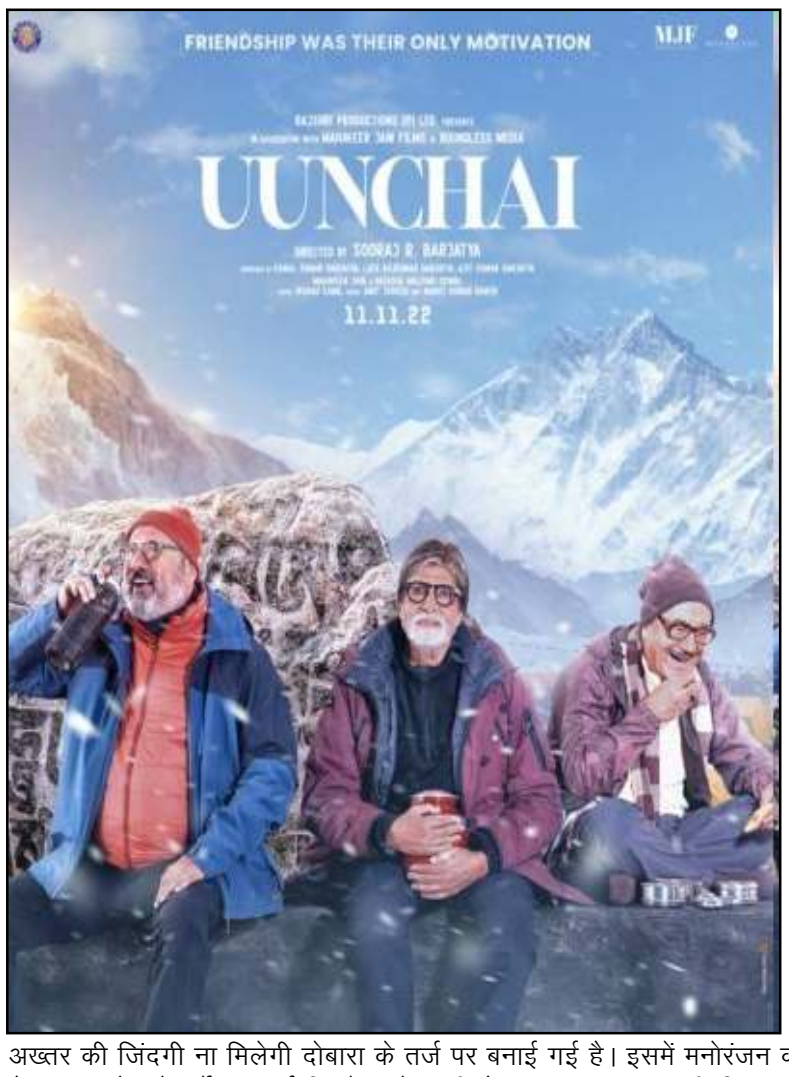

अभिनेता अमिताभ बच्चन, अनुपम खेर, डैनी डेन्जोंगपा और बोमन ईरानी जल्द ऊंचाई में नजर आएंगे। फिल्म 11 नवंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। सूरज बडजात्या ने इसका निर्देशन किया है। अब इसका ट्रेलर रिलीज हो गया है। इसमें अमिताभ, अनुपम, डैनी और बोमन अपनी जिंदगी को खुलकर जीते हुए नजर आए हैं। इसमें अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा की भी झलक दिखी है। आइए जानते हैं कि कैसा है फिल्म का ट्रेलर।

सूरज की यह फिल्म फैमिली ड्रामा से हटकर है। इसमें अमिताभ, अनुपम, डैनी और बोमन अपनी ढलती उम्र में माउंट एवरेस्ट चढने की योजना बनाते हैं। इसी बीच उनके दोस्त डैनी का निधन हो जाता है। अब तीनों दोस्त मिलकर डैनी के इस अधूरे सपने को पूरा करने का बीड़ा उठा लेते हैं। ट्रेलर के अंत में किशोर कुमार का गाना ये जीवन है की धुन सुनाई दे रही है।

इन दोस्तों की रोमांचक यात्रा में नीना गुप्ता और सारिका भी शामिल हो जाती हैं। परिणीत इन बुजुर्ग दोस्तों को एवरेस्ट की यात्रा के बारे में जागरूक करती दिखीं। इसमें अमिताभ सहित सभी कलाकारों की मौजूदगी एक मल्टीस्टारर फिल्म होने का अनुभव कराती है।

राजश्री प्रोडक्शन ने ऊंचाई का निर्माण किया है। फिल्म की शूटिंग इस साल की शुरुआत में पूरी हो गई थी। इस फिल्म को मुंबई, नेपाल, लखनऊ, आगरा और कानपुर जैसी जगहों पर शूट किया गया है। एक रिपोर्ट में बताया गया था कि यह सूरज की टिपिकल फिल्म है, जो फरहान अख्तर की जिंदगी ना मिलेगी दोबारा के तर्ज पर बनाई गई है। इसमें मनोरंजन के साथ–साथ थ्रिलर का भी समावेश किया गया है। नवंबर में बड़े पर्दे पर कई फिल्में आने वाली हैं। सामंथा रुथ प्रभु की फिल्म यशोदा 11 नवंबर को बॉक्स ऑफिस पर ऊंचाई से टकराएगी। यह एक तेलुगु साइंस एक्शन थ्रिलर फिल्म है, जो तेलुगु के साथ तमिल, कन्नड़, मलयालम और हिंदी भाषा में रिलीज होगी। 18 नवंबर को अजय देवगन की दृश्यम 2 और राजकुमार राव की भीड़ रूपहले पर्दे पर रिलीज हो रही है। 25 नवंबर को वरुण धवन की भेडिया आएगी। सूरज बडजात्या बड़ी फैमिली एंटरटेनर फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। उनकी प्रेम रतन धन पायो में सलमान खान और सोनम कपूर नजर आए थे। यह उनकी आखिरी फिल्म थी, जो 2015 में रिलीज हुई थी। वह विवाह, हम आपके हैं कौन, हम साथ साथ है, मैंने प्यार किया जैसी फिल्में बना चुके हैं। अभिनेत्री सारिका भी इस फिल्म के जरिए वापसी कर रही है। वह आखिरी बार 2016 में बार–बार देखो में नजर आई थीं।

पर्ल वी पुरी के हाथ लगा बड़ा मौका, इस फिल्म से करेंगे बॉलीवुड डेब्यू

टीवी इंडस्ट्री के पॉपुलर एक्टर पर्ल वी पुरी नागिन 3 और ब्रह्मराक्षस 2 जैसे सीरियल में अपनी एक्टिंग का जलवा बिखेरा है।

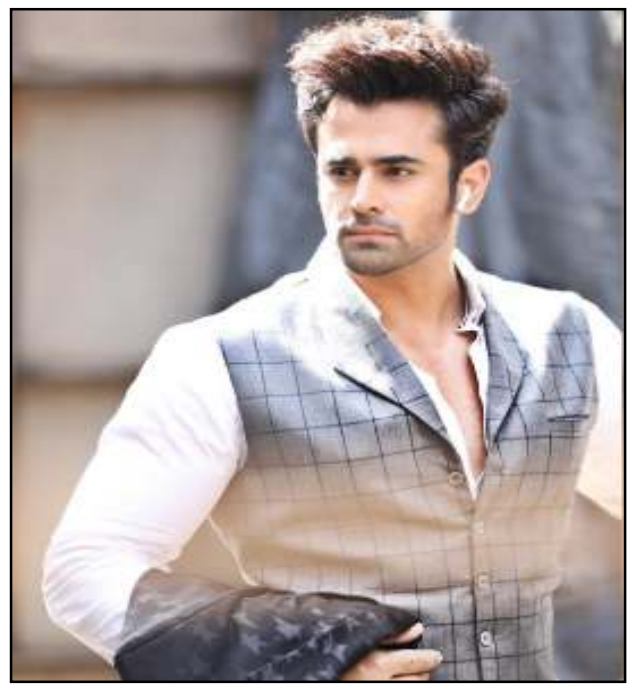

अब पर्ल वी पुरी छोटे पर्दे से बड़े पर्दे की तरफ बढ़ गए हैं। दरअसल, वह बॉलीवुड डेब्यू करने जा रहे हैं। पर्ल वी पुरी की डेब्यू फिल्म का अनाउंसमेंट हो गया है और उसकी रिलीज डेट भी सामने आ गई है। वह फिल्म यारियां 2 में लीड एक्टर के तौर पर बड़े पर्दे पर नजर आने वाले हैं। बताते चलें इस फिल्म का पहला पार्ट यारियां साल 2014 में रिलीज हुआ था और इसमें लीड एक्टर के तौर पर हिमांश कोहली नजर आए थे। फिल्म यारियां 2 में पर्ल वी पुरी के अलावा यश दासगुप्ता, दिव्या खोसला कुमार और मीजान जाफरी भी नजर आएंगे। इस फिल्म का डायरेक्शन राधिका राव और विनय सप्रू करने वाले हैं। ये फिल्म 12 मई, 2023 को रिलीज होगी। बताते चलें कि फिल्म यारियां का डायरेक्शन दिव्या खोसला कुमार ने किया था। फिल्म यारियां में हिमांश कोहली के साथ रकुल प्रीत सिंह और निकोल फारिया नजर आई थीं। बता दें कि पर्ल वी पुरी और दिव्या खोसला कुमार का साथ में दूसरा प्रोजेक्ट होगा। इससे पहले दोनों ने म्यूजिक वीडियो तेरी आंखों में काम किया था। ये म्यूजिक वीडियो साल 2020 में रिलीज हुई था।

अपने स्किन केयर रूटीन में शामिल करें आइस फेशियल, मिलेंगे कई फायदे

आइस फेशियल कोरियन ब्यूटी के स्किन केयर रूटीन का अहम हिस्सा है जिसे क्रायोथेरेपी के नाम से भी जाना जाता है। यह आपकी त्वचा को स्वस्थ और चमकदार बनाते हुए चेहरे को तरोताजा करने, मुंहासों को कम करने, झुर्रियां दूर करने और ब्लड सर्कुलेशन को बढ़ावा देने में मदद कर सकता है। यही नहीं, आइस फेशियल से कई तरह के अन्य त्वचा संबंधित लाभ भी मिल सकते हैं। आइए आज इसके पांच प्रमुख फायदे जानते हैं। मुंहासों के उपचार में सक्षमः बर्फ के एंटी–इंफ्लेमेटरी गुण सूजन वाली त्वचा को शांत करते हुए त्वचा से मुंहासों को दूर करने में मदद कर सकते हैं और रोमछिद्रों के आकार को कम करते हैं। दरअसल, आइस फेशियल चेहरे पर तेल के अत्यधिक उत्पादन को कम करता है, जो मुंहासों को बढने से रोकता है। लाभ के लिए मुंहासों से प्रभावित त्वचा पर रोजाना कुछ मिनट बर्फ की मसाज करें। चेहरे के साथ आंखों की सूजन होगी दूरः तनाव और नींद की कमी से आंखों में सूजन आ सकती है। आइस फेशियल आंखों के नीचे की सूजन को कम कर सकता है और आपकी आंखों को तरोताजा कर सकता है। अमेरिकन एकेडमी ऑफ ऑप्थल्मोलॉजी के अनुसार, 15–20 मिनट के लिए हल्के दबाव के साथ अपनी आंखों के नीचे कोल्ड कंप्रेस लगाने से सूजन कम हो सकती है। इस तरीके से पूरे चेहरे की सूजन को भी खत्म किया जा सकता है। चेहरे को मिलेगा निखारः अगर आप चेहरे पर प्राकृतिक रूप से निखार चाहते हैं तो स्किन केयर रूटीन में आइस फेशियल को शामिल कर ही लें। चेहरे पर बर्फ लगाने से त्वचा का ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है और इसके कारण उसमें तेजी से निखार आता है। यह त्वचा में ऑक्सीजन के स्तर को बेहतर बनाने में भी मदद करता है। इससे आवश्यक विटामिन और पोषक तत्वों की आपूर्ति में मदद मिलती है। त्वचा की एलर्जी से मिलेगी राहतः चेहरे पर आइस फेशियल करने से खुजली और लालिमा वाली त्वचा से राहत मिल सकती है। यह एलर्जी, चकत्ते, अत्यधिक धूप में रहने या मुंहासे के कारण हो सकती है। आइस फेशियल रक्त वाहिकाओं को संकुचित करके त्वचा पर सामान्य एलर्जी की लक्षणों को शांत कर सकती है। इसके अतिरिक्त, गालों पर ब्लश की तरह काम कर सकती है, क्योंकि इससे उन पर गुलाबी रंग आ जाता है। डेड स्किन सेल्स की बाहरी परत हटाने में मददगारः सबसे अच्छे प्राकृतिक एक्सफोलिएटर में से एक आइस फेशियल त्वचा से डेड स्किन सेल्स की बाहरी परत को हटाने में मदद करता है। आप अपनी त्वचा को एक्सफोलिएट करने और प्राकृतिक चमक पाने के लिए अपने चेहरे पर मिल्क आइस क्यूब्स का इस्तेमाल कर सकते हैं। दूध में लैक्टिक एसिड डेड स्किन सेल्स को साफ करने में भी मदद करता है।